हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 21 दिसंबर 2025

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹99522/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹121550/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹132683/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels

Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

पूर्व अग्निवीरों का कोटा 50 फीसदी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीमा सुरभा बल में कांस्टेबल भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों का कोटा 10 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि सीमा सुरक्षा बल, जनरल ड्यूटी कैडर भर्ती नियम 2015 में संशोधन के जरिये की गई है। पूर्व अग्निवीरों के पहले बैच को ऊपरी आयु सीमा में पांच साल तक की, जबकि बाकी पूर्व अग्निवीरों को तीन साल की छूट मिलेगी। अधिसूचना में कहा गया है कि पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक मानक परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षण से भी छूट दी जाएगी।

कांकेर में इसाईयों के खिलाफ माहौल गांव-गांव तक फैला अब 19 गांव में मुनादी, बोर्ड लगे-पादरियों का प्रवेश निषेध

एक गांव से शुरू हुआ अभियान अब बढ़कर 19 गांव तक पहुंच चुका है

कांकेर जिले के बड़ेतेवड़ा गांव में अंतिम संस्कार को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। ग्रामीणों ने प्रार्थना सभागार में तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। विवाद को पुलिस ने सूझबूझ से खत्म कराया और वहां फिलहाल शांति है। लेकिन विवाद की आग पूरे कांकेर जिले में फैली हुई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर/कांकेर

हरिभूमि फॉलोअप

कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत कुड़ाल गांव से शुरू हुई यह पहल अब जिले के 19 गांवों तक पहुंच चुकी है। गांव के बाहर लगाए गए बोर्डों पर साफ शब्दों में लिखा गया है पास्टर गांव में प्रवेश नहीं कर सकते। बोर्ड पहले एक गांव में लगाया गया, उसके बाद ऐसे गांव की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जहां पादरियों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है।

जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में ऐसा पहला बोर्ड कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड ग्रांव के कुड़ाल गांव में ग्राम सभा का आयोजन कर ▶▶शेष पेज 6 पर

19 गांव में लग चुके है बोर्ड

कुड़ाल गांव से शुरू हुआ यह सिलसिला जिले के 19 गांवों तक पहुंच चुका है। सूत्र बताते हैं कि आने वाले दिनों में अन्य गावों में भी इस तरह के प्रस्ताव पारित होने की संभावना है। 19 गांव कुड़ाल, परवी, जनकपुर, मीरागाँव, घोडागाँव, जुनवानी, हवेचुर, घोटा, घोटिया, सुलंगी, टेकाडोढ़ा, बांसला, जामगांव, चारभाठा, मुसुरपुट टा, धौरामाटा, कुराठेमली, लेंडारा, कोड़ेकुर्से में बोर्ड लग चुके है। वहीं करीब दर्जनभर गांव में इसी तरह के प्रस्ताव लाने और बोर्ड लगाने की तैयारी की जा रही है।

धर्म का विरोध नहीं, धर्मांतरण को रोकने की योजना

बोर्ड जिन गांव में लगे है उनमें अधिकतम सरपंच का यहीं कहना है कि आदिवासी समुदाय के भोले-भाले लोगों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराए जाने से वे चिंतित हैं, पुराने रीति-रिवाजों और सामाजिक ढांचे को खतरा है, इसलिए उन्होंने बोर्ड लगाए हैं ताकि बाहरी पादरी या प्रचारक बिना अनुमति गांव में न आएं। उन्होंने यह भी कहा कि इस निर्णय का लक्ष्य किसी धर्म का विरोध नहीं, बल्कि अनैतिक रूप से किए जा रहे धर्मांतरण को रोकना है।

फैसला किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि यह फैसला किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि गांव की परंपराओं, सामाजिक एकता और संस्कृति की रक्षा के लिए लिया गया है। ग्राम सभा में यह बात सामने आई कि गांव में बाहरी हस्तक्षेप से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा था, जिसके चलते यह निर्णय जरूरी हो गया। बोर्ड गांव की सीमा पर इस तरह लगाए गए हैं कि बाहर से आने वाला हर व्यक्ति उसे स्पष्ट रूप से देख सके।

अपना केवाईसी अपडेट रखें

ताकि आप बिना किसी रुकावट के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है,

तो आप अपने पुन:केवाईसी के लिए एक स्व-घोषणा पत्र जमा करें - जिसे आप पत्र/ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/एटीएम/बैंक में पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर/ईमेल या कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) के माध्यम से जमा करवा सकते हैं।

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण बदल गए हैं,

तो अपडेटेड विवरणों वाले किसी एक दस्तावेज़ की प्रति प्रदान करें: आधार/मतदाता पहचान पत्र/NREGA जॉब कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर द्वारा जारी पत्र।

आप अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में जाकर भी अपना केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/KYC पर जाएँ

आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

पतंजलि®

कफ़, कोल्ड, सर्दी-ज़ुकाम के लिए आयुर्वेद के रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड सॉल्यूशन्स

शिलाजीत ड्रॉप एवं शिला तुलसी ड्रॉप

शिलाजीत कैप्सूल एवं स्वर्ण शिलाजीत कैप्सूल

शुद्ध शिलाजीत (र.त.)

बाबाजी केसर

अश्वशिला कैप्सूल

त्वचा के लिए आयुर्वेदिक सुपरफूड न्यूट्रेला कोलेजनप्राश

ऑनलाइन ख़रीदें– www.patanjaliayurved.net | कस्टमर केयर– 18001804108

OrderMe ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पतंजलि उत्पाद ऑर्डर करें।

प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश के सौ से ज्यादा नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए हैं। अब इन परिसरों का राजधानी रायपुर से 25 दिसंबर को एक साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय फुंडहर से लोकार्पण करेंगे। यहां पर नगर निगम रायपुर का अटल परिसर बनाया गया है। इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम और नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव भी रहेंगे। इसी के साथ प्रदेश के कुछ मंत्री रायपुर के सांसद, विधायक और महापौर भी रहेंगी।

25 दिसंबर को अटल जयंती पर एक साथ होगा 115 अटल परिसरों का लोकार्पण

फुंडहर में होगा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम अरुण साव रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

प्रदेश की भाजपा सरकार और भाजपा नेता यह बात लगातार कहते हैं कि छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने का काम स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। इसी के साथ भाजपा ने नारा भी दिया है हमने बनाया है हम ही संवारेंगे। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नगरीय निकाय विभाग ने प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण करवाने का काम किया है। अब इन परिसरों का एक साथ लोकार्पण कराने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए राजधानी रायपुर में ही बड़ा कार्यक्रम किया जा रहा है। यहां पर फुंडहर के अटल परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव एक साथ प्रदेश के सभी अटल परिसरों का लोकार्पण करेंगे।

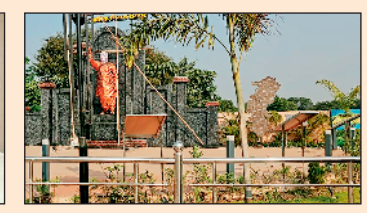

दुर्ग संभाग में सबसे ज्यादा 31 : प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा दुर्ग संभाग में 31 अटल परिसर बनाए गए हैं। इसमें दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई चरौदा के नगर निगमों के साथ संभाग की नगर पालिकाओं और नगर पंचायतें भी शामिल हैं। रायपुर संभाग में 25 अटल परिसर बनाए गए हैं। इसमें रायपुर और बिरगांव नगर निगम के साथ ही धमतरी, महासमुंद सहित सभी नगर पालिकाएं और नगर पंचायतें शामिल हैं। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर और रायगढ़ नगर निगम के साथ नगर पालिकाएं और नगर नगर पंचायतों को मिलाकर 18 अटल परिसर बने हैं। इसी तरह से बस्तर में 22 और सरगुजा संभाग में 19 नगरीय निकायों में अटल परिसर बनाए गए हैं।

एक टन से ज्यादा वजन की प्रतिमा

नगर निगम जोन 10 कमिश्नरी द्वारा फुंडहर चौक में 50 लाख रुपए की लागत से देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की कांस्य से निर्मित एक टन से ज्यादा वजन की प्रतिमा लगाई गई है। पाटन थनौद के मूर्तिकार द्वारा निर्मित इस प्रतिमा का लोकार्पण जल्द होगा। 500 वर्गफीट में विकसित इस परिसर को अटल परिसर का नाम दिया गया है। जोन 10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे ने बताया कि अटल परिसर में एक सुंदर बगीचा विकसित कर उसे हरा-भरा बनाया गया है। परिसर में प्रकाश व्यवस्था के लिए आकर्षक लाइटें लगवाई गई हैं।

खबर संक्षेप

माना बाईपास में लूट, धमतरी का तड़ीपार साथी सहित गिरफ्तार

रायपुर। माना पुलिस ने हाइवा ड्राइवर के साथ लूट के आरोप में धमतरी के तड़ीपार बदमाश तथा उसके एक अन्य साथी को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने पांच दिन पूर्व 16 दिसंबर को लूट की घटना की थी। गोपी साहू की शिकायत पर पुलिस ने धमतरी, कोतवाली के हिस्ट्रीशीटर चेतन मंडावी तथा दुर्ग निवासी हितेश कुमार साहू उर्फ़ हित्तू को गिरफ्तार किया है। गोपी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी की घटना दिनांक को वह रेत लेने राजिम जा रहा था। माना बाईपास के पास गोपी हाइवा के टायर का हवा चेक करने नीचे उतरा। इस दौरान मौक़े से गुजर रहे बाइक सवार बदमाश चेतन और उसके साथी ने गोपी को दबोच लिया। बदमाशों ने गोपी के साथ मारपीट कर उसके ऊपर किसी नुकले हथियार से हमला कर जेब से नगदी, मोबाइल और हाइवा की चाबी लूट मौक़े से फरार हो गए। दोनों बदमाशों को पुलिस ने मुखबिर की सूचना तथा सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया है।

पुनर्विचार याचिका 'कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग', हाईकोर्ट ने लगाया 50 हजार का जुर्माना

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक सरकारी कर्मचारी द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका को "कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग" मानते हुए खारिज कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपए का हर्जाना भी लगाया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि वादी ने पुनर्विचार याचिका दायर करने के लिए अपना वकील बदल लिया, जबकि मूल मामले में बहस किसी कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुनर्विचार याचिका का दायरा सीमित होता है और इसे अपील की तरह फिर से सुनवाई के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

याचिकाकर्ता संजीव कुमार यादव सरकारी कर्मचारी हैं। जिला पंचायत, जशपुर और कमिश्नर, सरगुजा संभाग ने 2017 और 2018 में उनके खिलाफ विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर चार वार्षिक वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) को संचयी प्रभाव से रोकने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ता ने इन आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें तर्क दिया गया कि उन्हें गवाहों से जिरह का जिरह का मौका नहीं दिया गया और जांच प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ थी। 23 जनवरी 2025 को सिंगल बेंच ने याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि जांच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की गई थी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने रिट अपील दायर की, जिसे खंडपीठ ने 18 मार्च 2025 को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में अपील खारिज हुई

इसके बाद इसके बाद याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की लेकिन वहां भी उसकी विशेष अनुमति याचिका 8 अगस्त 2025 को खारिज हो गई। सुप्रीम कोर्ट से निराशा लगने के बाद, याचिकाकर्ता ने फिर से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और यह पुनर्विचार याचिका दायर की। याचिका में एक नए वकील रोहिताश्व सिंह के माध्यम से दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट ने एसएलपी को शुरुआती स्तर पर खारिज किया था, गुण-दोष के आधार पर नहीं। इसलिए हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की जा सकती है। याचिका में कहा गया कि हार्ट के 18 मार्च 2025 के आदेश में तथ्यात्मक त्रुटि है। उन्होंने दावा किया कि हाईकोर्ट के आदेश में यह उल्लेख गलत है कि जांच रिपोर्ट 9 जून 2016 को प्राप्त हुई थी, जबकि उन्हें सजा के आदेश से पहले रिपोर्ट कभी दी ही नहीं गई थी।

कोर्ट का कीमती समय बर्बाद किया गया

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलों को अस्वीकार करते हुए विशेष रूप से 'वकील बदलने' की प्रवृत्ति पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने हर स्तर पर अलग वकील नियुक्त किया। इसलिए साफ है कि याचिकाकर्ता भ्रामक याचिका दायर करके और अलग वकील नियुक्त करके कोर्ट का कीमती समय बर्बाद कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि यह याचिका 2 लाख रुपए के हर्जाने के साथ खारिज किए जाने योग्य है। हालांकि, वकील द्वारा बार-बार बिना शर्त माफी माफी मांगने पर विचार करते हुए, कोर्ट ने हर्जाने की राशि घटाकर 50 हजार रुपए कर दी जो याचिकाकर्ता द्वारा इस कोर्ट की रजिस्ट्री में देय होगा और इसे शासकीय विशिष्ट विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण, गरियाबंद (छ.ग.) को भेजा जाएगा।" याचिकाकर्ता को यह राशि एक महीने के भीतर जमा करनी होगी, अन्यथा इसे भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल किया जाएगा।

चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी के खिलाफ फैसला, एकपक्षीय अवार्ड हाईकोर्ट ने निरस्त किया

बिलासपुर। वाहन फाइनेंस कंपनी चोलामंडलम की ओर से नियुक्त मध्यस्थ ने कंपनी के पक्ष में एकपक्षीय अवार्ड पारित कर दिया। हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के बाद यह एकपक्षीय अवार्ड निरस्त कर दिया है। याचिकाकर्ता रिंकेश खन्ना ने चोलामंडलम फाइनेंस कम्पनी से वाहन क्रय करने हेतु ऋण प्राप्त किया तथा इस हेतु एक संविदा निष्पादित की। ऋण भुगतान समान मासिक किस्तों में तय किया गया। व्यापार हानि एवं अन्य कारणों से ऋण भुगतान में असमर्थ होने पर वाहन को कंपनी को वापस समर्पित कर दिया गया। इसके पश्चात चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी द्वारा स्वयं एकतरफा मध्यस्थ की नियुक्ति कर दी गई। कंपनी द्वारा नियुक्त मध्यस्थ ने कंपनी के पक्ष में एकपक्षीय अवार्ड पारित कर दिया। अवार्ड राशि वसूली हेतु कंपनी द्वारा सिविल न्यायालय में निष्पादन कार्यवाही प्रारंभ की गई। याचिकाकर्ता द्वारा सिविल न्यायालय में निष्पादन प्रकरण के विरुद्ध आपत्ति प्रस्तुत की गई। आपत्ति निरस्त होने पर रिंकेश खन्ना ने उच्च न्यायालय में अधिवक्ता सुशोभित सिंह के माध्यम से याचिका प्रस्तुत की। इसमें मांग की गई कि निष्पादन न्यायालय में प्रस्तुत निष्पादन प्रकरण क्षेत्राधिकार विहीन है तथा प्रारंभ से ही शून्य है। याचिका में बताया गया कि, मध्यस्थता संशोधन अधिनियम 2015 की धारा 12 उपधारा 5 सहपठित अनुसूची 7 के अनुसार संविदा में हितबद्ध पक्षकार द्वारा एकपक्षीय मध्यस्थ की नियुक्ति नहीं की जा सकती। उच्च न्यायालय ने प्रतिवादी को नोटिस जारी कर याचिका स्वीकार कर एकपक्षीय अवार्ड को निरस्त करने का आदेश पारित किया है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता रणवीर सिंह मरहास ने दिया इस्तीफ़ा

बिलासपुर। राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता रणवीर सिंह मरहास ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने यह इस्तीफ़ा राज्य सरकार के विधि सचिव को प्रेषित कर किया है। विधि सचिव को भेजे त्यागपत्र में श्री मरहास ने कहा है कि, पिछले दो सालों से इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है। इस दौरान, मुझे राज्य के कानूनी मामलों में योगदान देने, विभिन्न अदालतों में सरकार का प्रतिनिधित्व करने और समर्पित सहकर्मियों के साथ काम करने का अवसर मिला। उन्होंने लिखा है कि मैं सरकार द्वारा मुझ पर दिखाए गए विश्वास और समर्थन के लिए आभारी हूँ, जिसने मुझे अपनी पूरी क्षमता से अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में सक्षम बनाया। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा है कि मैंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, इसलिए यह पद छोड़ने का सही समय है। गौरतलब है कि एडवोकेट रणवीर सिंह मरहास सिविल वकील और प्रशिक्षित मध्यस्थ के तौर पर माने जाते हैं जो मुख्य रूप से सिविल मामलों, संपत्ति विवादों और वकालत से जुड़े मामलों को देखते हैं। ध्यान रहे कि इससे पहले महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत ने भी 18 नवंबर 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। प्रफुल्ल एन. भारत ने पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के कार्यकाल में वे 2014 से 2018 तक राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता रहे, फिर सीनियर एडवोकेट बनाए गए। प्रफुल्ल एन. भारत ने जगदलपुर जिला कोर्ट से करियर की शुरुआत की थी।

■ राज्य सरकार के विधि सचिव को प्रेषित किया पत्र

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

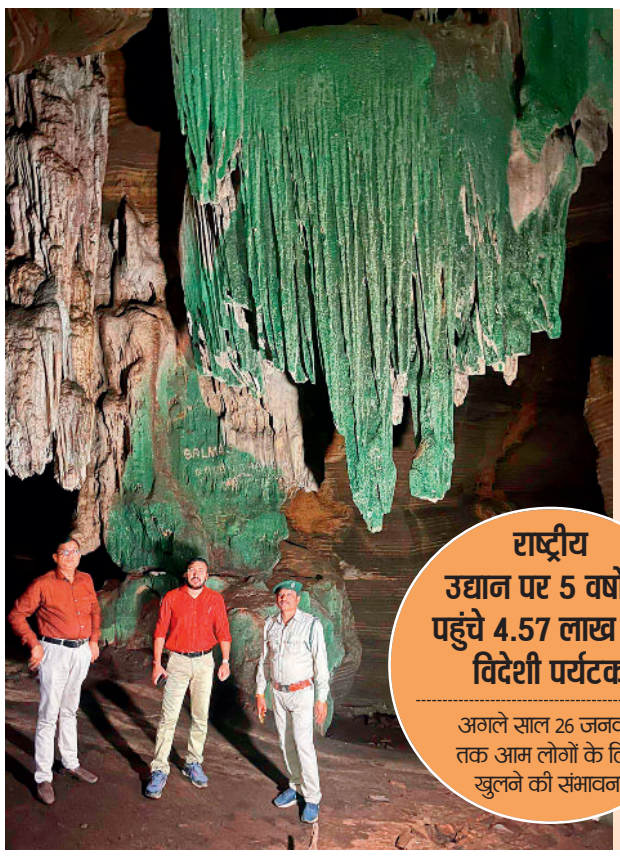

राष्ट्रीय उद्यान पर 5 वर्षों में पहुंचे 4.57 लाख देशी विदेशी पर्यटक

अगले साल 26 जनवरी तक आम लोगों के लिए खुलने की संभावना

सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद खोला जाएगा

बस्तर के पर्यटन को नई पहचान देगी रहस्यमयी ग्रीन गुफा

अगले महीने 26 जनवरी से खुलेगी रहस्यमयी ग्रीन गुफा, मुग्ध कर देगी हरी चमकदार परत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर में हाल ही में खोजी गई रहस्यमयी ग्रीन गुफा पर्यटकों के लिए जल्द खुलने वाली है, जो अपनी हरी चमकदार परत, लाइकेन से ढके स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स के लिए प्रसिद्ध है और यह खोज बस्तर के पर्यटन को नई पहचान देगी। यह गुफा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में कुटुमसर गुफा के पास स्थित है और वन विभाग द्वारा इसके पहुंच मार्ग और सुरक्षा व्यवस्था के बाद इसे पर्यटन मानचित्र पर शामिल किया जाएगा।

26 जनवरी तक खोलने की संभावना

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक नवीन कुमार ने बताया कि ग्रीन गुफा में सीढ़ी एवं पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है। उसके बाद इस गुफा को 26 जनवरी से पर्यटकों के लिए खोला जाने की संभावना है।

चूना-पत्थर की दुर्लभ संरचनाएं (स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स) लाइकेन (काई) से ढकी हरी परत, जो प्रकाश पड़ने पर अलौकिक आभा बिखेरती है। वन विभाग द्वारा पहुंच मार्ग और सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद इसे पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। यह गुफा बस्तर की प्राकृतिक विरासत को और समृद्ध करेगी और पर्यटन को बढ़ावा देगी। पर्यटकों को गुफा के अंदर जाने के लिए कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान सीढ़ी एवं पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पर्यटक आसानी से गुफा के अंदर घुस कर हरी चमकदार परत, लाइकेन से ढके स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स देख पाएंगे। राष्ट्रीय उद्यान में प्रबंधन ⏭शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर को पीट-पीटकर मार डाला

एक हफ्तेभर पहले काम के लिए गया था पलक्कड़

ऐसी नफरत, सक्ती जिले के मजदूर को केरल में बांग्लादेशी समझकर पीटा, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा/सक्ती

सक्ती जिले के ग्राम करही निवासी रामनारायण बघेल करीब एक सप्ताह पूर्व रोजगार की तलाश में केरल के पलक्कड़ गया था। वह वहां काम की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने उसे घेर लिया और बांग्लादेशी होने के संदेह में उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने बेरहमी से उसकी पिटाई की, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वहां स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस मामले में अब तक केरल सरकार या पुलिस प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों के लिए किसी प्रकार के मुआवजे की घोषणा नहीं की गई है, जिससे परिजनों में आक्रोश है। मृतक के परिजनों ने सरकार से ⏭शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर को केरल में भीड़ ने 17 दिसंबर को बांग्लादेशी समझकर पीट-पीटकर मार डाला। भीड़ तब तक मजदूर को पीटती रही, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। उसके शरीर का शायद ही कोई ऐसा हिस्सा था, जिस पर चोट के निशान न हों। मृतक की पहचान रामनारायण बघेल, निवासी ग्राम करही के रूप में हुई है।

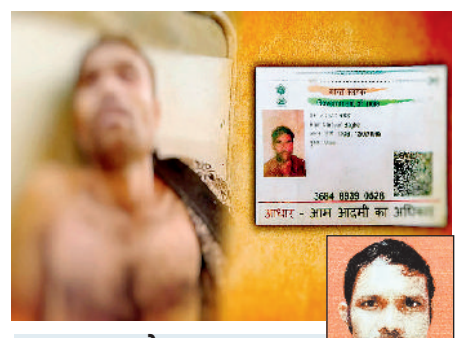

क्या है मामला

दरअसल, 17 दिसंबर को अट्टापल्लम इलाके में स्थानीय लोगों ने राम नारायण को चोरी के शक में पकड़ा। उसकी बेरहमी से पिटाई की। पुलिस के मुताबिक, राम नारायण नशे की हालत में थे, लेकिन उनके पास से चोरी का कोई सबूत नहीं मिला। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर हितेश शंकर ने बताया कि शरीर का कोई भी हिस्सा बिना चोट के नहीं था। राम नारायण के शरीर पर 80 से ज्यादा चोटों के निशान थे।

हिंदू व्यक्ति की हत्या मामले में सात गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा कि हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मैमेनसिंह शहर में गुरुवार को कथित ईशनिंदा को लेकर भीड़ ने दीपू चंद्र दास (25) की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और शव को आग के हवाले कर दिया था। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने 'एक्स' पर लिखा कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मामले में संदिग्ध के तौर पर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। सरकार ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर अभियानों के दौरान गिरफ्तारियां की गईं और गिरफ्तार लोगों की उम्र 19 से 46 साल के बीच है।

इधर, बांग्लादेश में मासूम को जिंदा जलाया

ढाका। बांग्लादेश के लक्ष्मीपुर सदर में शुक्रवार देर रात कुछ उपद्रवियों ने एक घर को बाहर से बंद कर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग में जिंदा जलने से एक 7 साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह घर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता बिलाल हुसैन का है। पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब 1 बजे की है। आग लगने से बिलाल की 7 साल की बेटी आयशा अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बिलाल हुसैन और उनकी दो अन्य बेटियां सलमा अख्तर (16) और सामिया अख्तर (14) गंभीर रूप से झुलस गए। बिलाल का इलाज लक्ष्मीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि दोनों बेटियों को गंभीर हालत में ढाका भेजा गया है।

असम की घटना, जांच के आदेश

राजधानी एक्सप्रेस ने सात हाथियों को कुचला 5 डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी ⏭ नगांव/गुवाहाटी

असम के होजाई जिले में शुक्रवार देर रात हाथियों का एक झुंड सायरंग-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया, जिससे सात हाथियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन भी पटरी से उतर गए। शुरू में सभी आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना मिली थी, हालांकि बाद में कहा गया कि उनमें से एक घायल पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि तड़के दो बजकर 17 मिनट पर हुई इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना की गहन जांच के आदेश दिए। ⏭शेष पेज 6 पर

नौ ट्रेनें रद्द

दुर्घटना के बाद नौ ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, 13 ट्रेन को विभिन्न स्थानों पर रोका गया है। दो रेलगाड़ियों की यात्रा गंतव्य से पहले ही समाप्त कर दी गई है। रद्द की गई रेलगाड़ियों में रंगिया-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस, गुवाहाटी-जोरहाट टाउन जन शताब्दी एक्सप्रेस, गुवाहाटी-बदरपुर विस्टाडोम एक्सप्रेस और न्यू तिनसुकिया-रंगिया एक्सप्रेस शामिल हैं। एनएफआर ने कहा, ट्रेन संख्या 15769 (अलीपुरद्वार-मरियानी) डिगारू में ही समाप्त कर दी जाएगी और यह ⏭शेष पेज 6 पर

संजय के दीक्षित

तरकश

कहीं खुशी, कहीं गम

छत्तीसगढ़ के बीजेपी प्रभारी नितिन नबीन अब पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बन गए हैं और अगले महीने पूर्णकालिक भी हो जाएंगे। नितिन के पार्टी सुप्रीमो बनने से छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेताओं का एक वर्ग खुश है तो कुछ लोगों को 440 वोल्ट का झटका लगा है। इनमें कई मंत्री शामिल हैं तो कुछ निगम-मंडलों के चेयरमैन और संगठन के बड़े नेता भी। असल में, नितिन के पास सारे नेताओं की कुंडली है कि कौन क्या गुल खिला रहा है। उन्हें उन मंत्रियों के बारे में भी पता है कि सरकार बनते ही बिना वक्त गंवाए कैसे तूफानी बैटिंग शुरू कर दी। और उनकी नोटिस में यह भी है कि संगठन का कौन नेता पोस्टिंग और सप्लाई-ठेका के जरिये अपने होने की कीमत वसूल रहा है। जाहिर है, आने वाले टाईम में मंत्रिमंडल का पुनगर्ठन होगा, फिर उसमें नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने का असर भी दिखेगा। बता दें, नितिन छत्तीसगढ़ के पहले बीजेपी प्रभारी होंगे, जो दो साल में पूरे छत्तीसगढ़ को मथ दिया। 146 ब्लॉकों में से शायद ही कोई उनकी पहुंच से बचा होगा। रायपुर बीजेपी ऑफिस में बैठकर किस विधानसभा में कितना पोस्टर-बैनर भेजना है, वे ये भी तय करते थे और ग्राउंड पर जाकर खुद भी परखते थे कि वहां की सीट निकालने के लिए किस रणनीति पर काम करना होगा। इसके चलते छोटे-से-छोटे अल्पज्ञात कार्यकर्ताओं से भी उनके सीधे संवाद है। ऐसे में, दिल्ली में बैठकर भी छत्तीसगढ़ की चीजें उनसे अछूती नहीं रहेंगी। और चीजें जब उनकी नोटिस में रहेंगी तो जानते ही हैं क्या होगा? लिहाजा, कुछ लोगों का दुखी होना स्वाभाविक है।

सप्लायर को फटकार कर भगाया

बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन की छबि कितनी साफ-सुथरी है कि बिहार में लगातार 20 साल से विधायक और मंत्री होने के बाद भी उन पर अब तक कोई आरोप नहीं लगा। छत्तीसगढ़ से जुड़ा एक वाकया भी उनका काफी चर्चा में रहा था। दिसंबर 2023 में बीजेपी की सरकार बनने के बाद बहुचर्चित 300 करोड़ के सीजीएमएससी कांड में जब ठेकेदार को कहीं से कोई रहम मिलता नहीं दिखा तो कुछ भाई साहबों ने उसे सलाह दी कि नितिन नबीन से जाकर मिलो, शायद वहां मोक्ष मिल जाए। सप्लायर सूटकेस लेकर पटना पहुंच गया। नितिन को पता चला कि तो उन्होंने न केवल मिलने से मना किया बल्कि स्टाफ से जमकर फटकार भी लगवाई। नितिन नबीन जब ऐसे हैं तो मंत्रियों के 40 परसेंट रेट का क्या होगा?

सातवें नंबर से टॉप पर

नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का फैसला इतना चौंकाने वाला था कि किसी को सहसा यकीं नहीं हुआ। जब यह खबर आई तो वे पटना के कार्यकर्ता सम्मेलन में थे और वक्ता के तौर पर उनके बोलने का क्रम सातवें नंबर पर था। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय सिनहा, सांसद रविशंकर प्रसाद, विवेक ठाकुर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव। फिर नितिन नबीन। मगर एक झटके में वे सातवें से नंबर वन पर पहुंच गए। बीजेपी में वे नंबर वन रहेंगे ही, पार्टी प्रोटोकॉल में भी पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बाद उनका स्थान होगा।

बिल्डरों को तोहफा, जनता को?

जमीनों के गाइडलाइन रेट के युक्तियुक्तकरण से आई कयामत के बावजूद छत्तीसगढ़ के बिल्डर बड़े गदगद हैं। सरकार ने उन्हें न्यू ईयर गिफ्ट देते हुए रजिस्ट्रेशन में सुपर बिल्डअप का क्लॉज समाप्त कर दिया है। याने फ्लैट की रजिस्ट्री अब बिल्डअप एरिया के हिसाब से होगी। जाहिर है, इससे रजिस्ट्री का रेट 30 से 40 परसेंट कम हो जाएगा। ये पैसा सरकार के खजाने में जाता था। बिल्डअप एरिया के हिसाब से रजिस्ट्री होने से अब फ्लैट का रेट कम हो जाएगा। इससे फ्लैट के सेल तेज होगा। मगर प्रश्न उठता है सुपर बिल्डअप का रजिस्ट्री चार्ज नहीं लगेगा तो फिर आम आदमी से सुपर बिल्डअप का रेट कैसे? रेरा के एक्ट में भी स्पष्ट तौर से कहा गया है कि सुपर बिल्डअप डेवलपमेंट का हिस्सा है, उसका रेट अलग से नहीं लिया जा सकता। सुपर बिल्डअप में सीढ़ी से लेकर लॉन और बाल्कनी तक बिल्डर जोड देते हैं। अब आप कहेंगे कि बिल्डर को अगर सुपर बिल्डअप का रेट नहीं लेने कहा जाएगा तो वो वह फ्लैट का रेट बढ़ा देगा...याने घूमा-फिराकर वही पड़ेगा। तो इसका जवाब है...बिल्डअप-सुपरबिल्डअप के फेर में आम आदमी गुमराह हो जाता है। आमतौर पर होता ऐसा है कि कोई फ्लैट खरीदने जाता है तो उसे फुट के हिसाब से रेट बताया जाता है। बाद में जब सौदा पटने लगता है तो पता चलता है कि रजिस्ट्री इतने की नहीं, इतने सुपरबिल्डअप एरिया की होगी। ऐसे में, कस्टमर बिल्डरों के ट्रिक में फंस जाता है। इसे रेरा को देखना चाहिए। 2013 में उसका गठन ही उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए किया गया था।

सीएस का सचिवालय

मुख्यमंत्री की तरह मुख्य सचिव को भी अपने सचिवालय में अपने हिसाब से अफसर पोस्ट करने की स्वतंत्रता होती है। फिर भी सक्षम अधिकारियों को ही सीएस सचिवालय में पोस्टिंग होती है। देश के कई राज्यों में आईएएस भी सिकेट्री होते हैं और राज्य प्रशासनिक सेवा के भी। छत्तीसगढ़ में भी सुनिल कुमार ने 2003 बैच की आईएएस ऋतु सैन को अपना ज्वाइंट सिकरेट्री बनाया था। उनसे पहले आरपी बगाई के सीएस रहने के समय आईएएस ईशिता राय उनके सचिवालय में रहीं। इन दो के अलावा हमेशा राप्रसे अधिकारियों को ही सीएस सचिवालय का हेड बनाया गया। दरअसल, सीएस के सिकरेट्री को पीएमओ, डीओपीटी से लेकर भारत सरकार के मंत्रालयों तक से बात करनी होती है, इसलिए कंपिटेंट अफसरों को ही इस पद पर बिठाया जाता है। हालांकि, अमिताभ जैन ने नया प्रयोग किया था...नायब तहसीलदार कैडर से प्रमोट हुए अधिकारी को अपना सिकेट्री बनाया था। इससे उनको कितना फायदा हुआ, ये तो नहीं मालूम। मगर अब नए सीएस सचिवालय के हेड की तलाश शुरू हो गई है। कायदे से सीएस सचिवालय में आईएएस को ही बिठाना चाहिए। भले ही राजभवन की तरह एक अच्छी पोस्टिंग उसके लिए सुनिश्चित कर दी जाए।

मंत्री आगे, सिकेट्री पीछे!

सरकार ने सचिवों को हर तीन महीने में अपने विभाग का रिपोर्ट कार्ड मीडिया से शेयर करने कहा था। इसके अतिरिक्त प्रेस नोट, सक्सेस स्टोरी से लेकर सोशल मीडिया पोस्ट तक में मार्किंग सिस्टम बनाया गया था। याने इतने पोस्ट पर इतने अंक मिलेंगे। इससे सचिवों का परफर्मेंस परखा जाना था। प्रेस कांफ्रेंस के लिए सरकार ने बकायदा शेड्यूल जारी किया था। इस तारीख को ये सिकेट्री प्रेस मिलेंगे तो फलां तारीख को ये। मगर आलम यह है कि 20 दिन से ज्यादा गुजर गया, अभी तक दो-तीन सचिव ही मीडिया को फेस कर पाए हैं। सचिवों से आगे मंत्री निकल गए हैं। अभी तक चार-पांच मंत्री सरकार की उपलब्धियों पर मीडिया को एड्रेस कर चुके हैं। मुख्यमंत्री के अनुमोदन से सचिवों को यह काम सौंपा गया था, इसे तो टॉप प्रायरिटी पर होना चाहिए।

सीईओ गायब?

बेमेतरा जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर के आवास पर 19 नवंबर को एसीबी ने छापा मारा था। कमिश्नर लैंड रिकार्ड में पोस्टिंग के दौरान पटवारी से आरआई प्रमोशन घोटाले में उनका भी नाम है। इसी सिलसिले में एसीबी उनके घर दबिश दी। छापे में अहम साक्ष्य मिलने पर एसीबी ने उनके खिलाफ मुकदमा कायम कर लिया। इसके बाद से सीईओ का कोई पता नहीं है। पता नहीं, पंचायत या जीएडी की नोटिस में ये है भी कि नहीं? अगर नोटिस में नहीं है तो ये भी गंभीर है और नोटिस में होने के बाद भी वहां अब तक कोई पोस्टिंग नहीं करना उससे भी ज्यादा गंभीर है।

प्रशासन या तमाशा!

राजधानी रायपुर से लगभग लगा जिला है बेमेतरा। बेमेतरा में प्रशासन का क्या हाल है, आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि एक अफसर पूरे जिले का माई-बाप है। अपर कलेक्टर में प्रमोट होने के बाद प्रकाश भारद्वाज के पास अभी भी एसडीएम का प्रभार है। इसके साथ एडीएम का चार्ज भी। जिला पंचायत सीईओ के गोल होने पर कलेक्टर के कहने पर वहां का दायित्व भी संभाल रहे तो दो दिन से प्रभारी कलेक्टर भी। रणवीर शर्मा ने ट्रांसफर के बाद अपर कलेक्टर को चार्ज हैंड ओवर कर दिया। याने एक ही आदमी एसडीएम, एडीएम, अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और कलेक्टर भी। गजबे हाल है भाई प्रशासन का।

कार्रवाई या प्रमोशन?

सरकार ने कोरबा कलेक्टर अजीत बसंत का ट्रांसफर कर सरगुजा का कलेक्टर बनाया है। उनके तबादले को पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर की नाराजगी से जोड़कर देखा गया। सोशल मीडिया में भी इसी लाईन पर खबर चली। मगर ये समझ में नहीं आता कि अंबिकापुर जैसे जिले का कलेक्टर बनना कार्रवाई कैसे हुई? संभागीय मुख्यालय होने की वजह से अंबिकापुर का इम्पार्टेंस अभी भी कम नहीं हुआ है। फिर वह मुख्यमंत्री का गृह संभाग भी है। इस दृष्टि से भी सरगुजा में ठीकठाक अधिकारियों की पोस्टिंग दी जाती है। रही बात...कोरबा की तो वह कमाई-धमाई के हिसाब से टॉप का जिला हो सकता है। मगर अजीत बसंत इस टेम्परामेंट वाले रहे नहीं। सो, कोरबा में रहें या अंबिकापुर में, उन्हें क्या फर्क पड़ता है। ऐसे में तो ये प्रमोशन ही हुआ न।

सबसे खराब पोस्टिंग?

छत्तीसगढ़ सरकार ने इस हफ्ते 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए, उनमें सबसे खराब पोस्टिंग अंबिकापुर के कलेक्टर भोस्कर विलास संदीपन की रही। उन्हें एडिशनल इलेक्शन ऑफिसर बनाया गया है। सूबे के टॉप फाइव रैंक के जिले की कलेक्टरी करके आने वाले अफसर को कभी भी इतनी खराब पोस्टिंग नहीं मिली। अभी कोई इलेक्शन भी नहीं है, जिसके लिए वहां अफसरों की जरूरत हो। अलबत्ता, हैरानी इस बात की भी कम नहीं है कि इतने लंबे समय तक अंबिकापुर में वे टिक कैसे गए? छबि तो उनकी साफ-सुथरी है मगर इसके साथ व्यवहारिक होना भी जरूरी है। बहरहाल, यह सवाल बना रहेगा कि डिविजनल हेडक्वार्टर वाले जिले से सीधे निर्वाचन में पटक देना...आखिर ये हुआ क्यों?

प्रमोटी आईएएस मायूस

कलेक्टरों के बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर से प्रमोटी आईएएस अधिकारियों को भी बड़ी उम्मीदें थीं। तीन-चार अधिकारी कुछ भाई साहबों की परिक्रमा भी कर चुके थे। मगर लिस्ट आई तो आवाक रह गए। किसी को कामयाबी मिली नहीं। सभी छह जिलों में डायरेक्ट आईएएस को कलेक्टर बनाया गया। प्रमोटी वालों को कम-से-कम बेमेतरा और नारायणपुर से बड़ी आस थी। खास कर नारायणपुर से। क्योंकि, पिछले दो-तीन बार से ऐसा हो रहा कि डायरेक्ट वाले वहां से कम समय में ही खो हो जा रहे। कांग्रेस शासनकाल में एक विधायक की नाराजगी से अभिजीत सिंह छह महीने में ही हटा दिए गए थे तो अभी प्रतिष्ठा ममगई को लेकर भी कुछ बातें थीं। मगर सरकार ने नारायणपुर के साथ बेमेतरा में भी डायरेक्ट वालों को पोस्ट करना मुनासिब समझा।

कलेक्टर्स अच्छे और एसपी?

छह कलेक्टरों की पोस्टिंग के बाद 33 में से 20 से अधिक जिलों में कलेक्टरों की टीम अच्छी हो गई हैं। इससे पहले जो लिस्ट आई थी, उसमें भी सरकार ने काम और छबि का ध्यान रखा था...इस बार की लिस्ट में भी इसे टॉप प्रायरिटी दिया गया। जाहिर है, मंत्रालय और डायरेक्ट्रेट सरकार के इंजन होते हैं तो कलेक्टर उसके पहिया। पहिया ही डिफेक्टिव रहेगा तो ट्रेन स्पीड में कैसे दौड़ेगी? बहरहाल, कलेक्टरों की टीम लगभग अच्छी हो गई है मगर पुलिस अधीक्षकों में अभी स्थिति खास बदली नहीं। लिहाजा, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर और जशपुर जैसे महत्वपूर्ण जिले प्रमोटी आईपीएस संभाल रहे। पिछले कुछ बरसों में आईपीएस का कैडर इतना डिरेल्ड हो गया कि सरकार को उस लायक कोई क्रेन और जेसीबी नहीं मिल रहा कि उसे उठाकर पटरी पर रखा जाए। पूर्व डीजीपी को छह महीने का एक्सटेंशन मिल गया और वर्तमान डीजीपी के आगे से प्रभारी शब्द हट नहीं पा रहा। पूरा दोष पीएचक्यू को भी नहीं दिया जा सकता...आधा दर्जन अधिकारियों के खिलाफ इंक्वायरी की फाइलें छह महीने से घूम रही, अनुमति मिलेगी कि नहीं, ये भी क्लियर नहीं। कुछ मिलाकर छत्तीसगढ़ पुलिस का भगवान मालिक हैं।

आईपीएस के तबादले

31 दिसंबर को आईपीएस अधिकारियों की एक लिस्ट निकलेगी। इसमें आईजी लेवल से लेकर डीआईजी, एसपी रैंक के आईपीएस होंगे। दरअसल, एक जनवरी से रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होना लगभग पक्का हो गया है। आईजी रैंक के किसी आईपीएस को पुलिस कमिश्नर बनाया जाएगा और डीआईजी या सलेक्शन ग्रेड वाले को एडिशनल पुलिस कमिश्नर। इसके अलावे चार डीसीपी में से दो आईपीएस एसपी रैंक के होंगे। इसके लिए कुछ दूसरे जिलों से भी आईपीएस अधिकारियों को रायपुर बुलाया जाएगा। कुल मिलाकर आईपीएस की लिस्ट में अबकी गुड गवर्नेंस दिख सकता है।

सूचना आयुक्तों पर उलझन

विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी निकल गया। 17 दिसंबर की देर शाम तक मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के दावेदार टकटकी लगाए रह गए। शायद जीएडी से कोई आदेश निकल जाए। कई बार सरकार देर रात भी आर्डर जारी कर रही, इसलिए रात आंखों में कट गई। मगर सरकार बड़ी निर्मोही निकली...कम-से-कम अपने एक्स चीफ सिकरेट्री का ही ध्यान रख लेती। वो भी नहीं हुआ। पता चला है, सिफारिशों की बोझ से सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की फाइल दब गई है। सिस्टम करें तो क्या करें। इतने भाई साहबों के फोन आ चुके हैं कि सिस्टम कुछ समझ नहीं पा रहा...आखिर किसको नाराज करें। उधर अप्लीमेंट भी पीछे नहीं हैं...सवाल चार लाख महीने सेलरी की है। सवा दो लाख वेतन और उपर से 54 परसेंट डीए। सब मिलाकर एकाउंट में करीब-करीब चार लाख। आवेदकों में कुछ योग्य और काबिल लोग भी हैं। मगर बाकी के चक्कर में उनका मामला भी उलझ गया है। कमिश्नर, जय रामजी

मनरेगा का नाम बदलकर जी जय रामजी हो गया है। मगर जब तक यह प्रचलन में नहीं आएगा तब तक इस योजना में कार्यरत लोगों को काफी कठिनाई आएगी। अब पदनाम को ही देखिए। छत्तीसगढ़ में इस योजना के कमिश्नर हैं तारन सिनहा। वे अब अपना परिचय क्या देंगे....कमिश्नर जी जय रामजी। कुछ दिन तो लोग समझ नहीं पाएंगे। पूछ रहा हूं पदनाम और बोल रहे जी...जयराम। जय राम जी का उल्टा अर्थ भी निकाला जाता है। याने जय राम हो गए। जी रामजी के इम्प्लाई ग्रुप में भी इस पर खूब चुटकी ली जा रही।

अंत में दो सवाल आपसे

1. सरकार ने डेपुटेशन पर जा रहीं आईएएस डॉ0 प्रियंका शुक्ला को पाठ्य पुस्तक निगम और समग्र शिक्षा में क्यों बिठाया?

2. सरकार द्वारा कई बड़े रिफार्म करने के बाद भी उसका मैसेज आम जनता में नहीं जा पा रहा, उसके पीछे कौन-सी वजहें हैं?

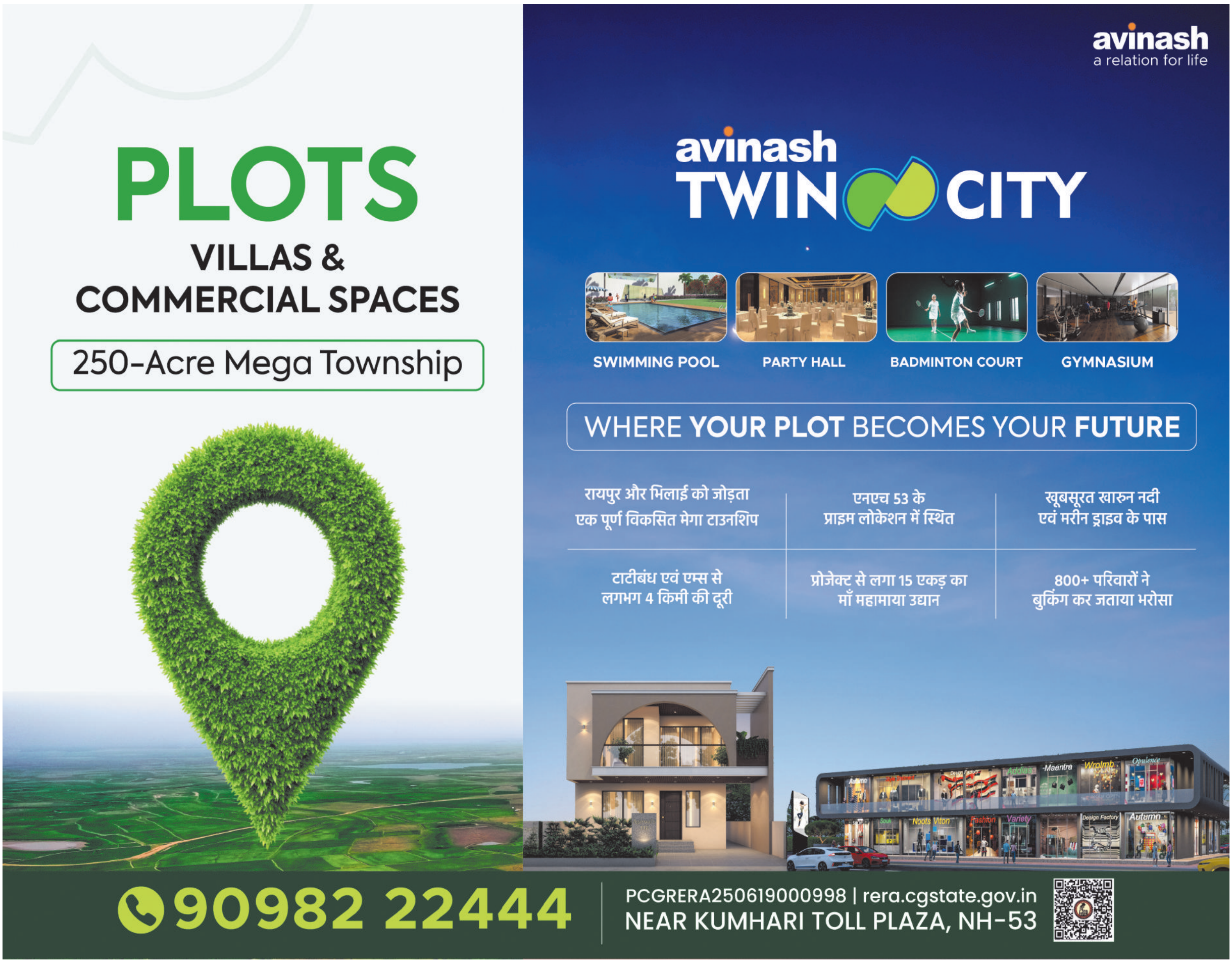

बिलासपुर

रविवार 21 दिसंबर 2025

पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया

वर्ष : 25, अंक : 268

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 27.0

न्यून. 13.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 टी-20 के राजा सूर्या से रूठी फॉर्म,...

आज कल

2 भरोसे की कसौटी पर 'जी राम जी'

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

राष्ट्रीय चयन समिति ने प्रतिष्ठा के बजाय वर्तमान की फॉर्म को प्राथमिकता देते हुए रन बनाने के लिए जूझ रहे स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के साथ रिंकू सिंह को वापस टीम में शामिल किया। मुंबई में हुई चयन समिति की बैठक में गिल को टीम से बाहर रखना सबसे दिलचस्प फैसला रहा, हालांकि उनकी फॉर्म को देखते हुए यह बहुत हैरानी भरा नहीं था।

गिल बाहर, इशान और रिंकू को मौका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

गिल को बाहर किए जाने के बाद उनके स्थान पर ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। टेस्ट और वनडे में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाजों में से एक होने के बावजूद गिल टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में विशेष रूप से सलामी बल्लेबाज के रूप में एक निश्चित भूमिका निभाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय चयनकर्ताओं ने किसी खिलाड़ी की प्रतिष्ठा के बजाय विशेष प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता देना उचित समझा। पावरप्ले में गिल के स्ट्राइक रेट को लेकर चिंताएं और बेहतर विकल्प मौजूद होने का असर उन पर पड़ा।

इसलिए इन्हें मिला मौका

भारत ने शीर्ष और मध्य क्रम को मजबूत करते हुए अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार, तिलक वर्मा और किशन को टीम में शामिल किया है। रिंकू की मौजूदगी दबाव झेलने और अंतिम ओवरों में विस्फोटक बल्लेबाजी करने वाले विशेषज्ञ फिनिशर के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हार्दिक पंड्या एक बार फिर अंतिम एकादश को संतुलन प्रदान करेंगे जिसमें शिवम दुबे उनका साथ देंगे, जिनकी स्पिनरों को निशाना बनाने की क्षमता टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गई है। अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी विविधता, नियंत्रण और बल्लेबाजी की गहराई प्रदान करेगी।

इसलिए बाहर हुए गिल

गिल को टीम से बाहर किए जाने पर कप्तान सूर्यकुमार ने कहा, यह गिल की फॉर्म की बात नहीं है। हम चाहते थे कि शीर्ष क्रम में एक अच्छा विकेटकीपर हो। किशन को टीम में शामिल किए जाने का मतलब है कि प्रतिभाशाली यशस्वी जायसवाल टीम में जगह बनाने का मौका चूक गए, वहीं जितेश ने भी टीम में अपनी जगह गंवा दी।

15 सदस्यीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह।

अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लाखों सबूत जारी

स्विमिंग पूल में नहाते दिखे बिल क्लिंटन माइकल जैक्सन की भी तस्वीर आई सामने

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिकी हेज फंड मैनेजर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े लाखों सबूतों जारी हो रहे हैं। इनमें चिट्ठियों, ईमेल, फोन रिकॉर्ड्स, तस्वीरें, गवाहों के बयान और अन्य ब्योरे शामिल हैं। शनिवार तक एपस्टीन से जुड़े कई दस्तावेज बाहर आ चुके हैं। फाइल्स में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की एक धुंधली तस्वीर भी शामिल है, जिसमें वह 'हॉट टब' में नजर आ रहे हैं।

एपस्टीन से जुड़ी जो फाइल्स जारी हुई हैं, उनमें हजारों तस्वीरें और जांच में शामिल रहे दस्तावेज हैं। हालांकि, इनमें खुद जेफ्री एपस्टीन के बारे में ऐसी कोई जानकारी या खुलासा नहीं है, जो कि सार्वजनिक मंचों पर अब तक सामने न आया हो। इसके अलावा फाइल्स में एपस्टीन के अमीर और ताकतवर व्यापारियों या नेताओं से संपर्क की खास जानकारी भी नहीं है।

इन दस्तावेजों में मुख्यतः अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, ब्रिटेन की दिवंगत महारानी रहीं एलिजाबेथ-II के बेटे एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर और गायक मिक जैगर और माइकल जैक्सन भी शामिल हैं। हालांकि, इन तस्वीरों में नेताओं और सेलिब्रिटीज का दिखना उनके एपस्टीन के साथ किसी गलत काम में जुड़े होने का संकेत नहीं है। इससे पहले भी कई नेता और चर्चित चेहरे एपस्टीन ▶▶शेष पेज 6 पर

पीटर मैंडेलसन ब्रिटिश राजनयिक

ब्रिटेन के पूर्व राजनयिक पीटर मैंडेलसन की एक तस्वीर भी एपस्टीन फाइल्स के पहले बैच में शामिल है। मैंडेलसन को एपस्टीन से जुड़ाव की बात सामने आने के बाद इसी साल अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत के पद से हटाया गया था। तस्वीर में एपस्टीन और मैंडेलसन को एक बड़े बर्थडे केक के पास देखा जा सकता है। हालांकि, इसकी तारीख का खुलासा नहीं हुआ है।

सेलिब्रिटीः माइकल जैक्सन, मिक जैगर, क्रिस टकर और डायना रॉस

फाइल्स में एपस्टीन की दिवंगत पॉप सुपरस्टार माइकल जैक्सन के साथ तस्वीरें भी हैं। इनमें एक तस्वीर में माइकल जैक्सन को सूट पहने और एपस्टीन को हुडी जैकेट में देखा जा सकता है। एक और फोटो में जैक्सन को बिल क्लिंटन और डायना रॉस के साथ भी देखा गया। यह सभी छोटे से इलाके में खड़े होकर फोटो खिंचा रहे हैं और कई और लोगों के चेहरों को फोटो में छिपा दिया गया है। माइकल जैक्सन की तरह ही 'द रोलिंग स्टोन्स' बैंड के मिक जैगर को भी एक तस्वीर में बिल क्लिंटन और एक महिला (जिनका चेहरा छिपाया गया है) के साथ दिखाया गया।

शाही परिवार से जुड़े एंड्रयू विंडसर

एपस्टीन फाइल्स में ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य रहे एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर की तस्वीरें शामिल हैं। एक तस्वीर में उन्हें पांच लड़कियों की गोद में लेटे दिखाया गया है। इन सभी लड़कियों की पहचान छिपा दी गई है। एपस्टीन की करीबी रहीं गिस्लेन मैक्सवेल इसी तस्वीर में पीछे खड़ी देखी जा सकती हैं। बता दें कि एंड्रयू विंडसर कई बार एपस्टीन के साथ करीबी को लेकर घेरे जा चुके हैं। उनकी पहले भी कई तस्वीरें सामने आई हैं। हालांकि, एंड्रयू ने किसी भी तरह के गलत काम से इनकार किया। यह बात और है कि एपस्टीन मामले से जुड़ी एक पीड़िता ने एंड्रयू पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे और मामले को खत्म करने के लिए एंड्रयू पर उसे करोड़ों की राशि देने की भी बात सार्वजनिक है। इसी साल ब्रिटेन के शाही परिवार ने उनसे प्रिंस का उपाधि छीन ली थी।

दिल्ली हवाई अड्डे ने जारी की एडवायजरी

दिल्ली में कोहरे का कहर 125 से ज्यादा उड़ानें रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर शनिवार को 129 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रद्द की गई उड़ानों में हवाई अड्डे पर आने वाली 66 और प्रस्थान करने वाली 63 उड़ानें शामिल हैं। घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण बीते कई दिन से दिल्ली समेत अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन प्रभावित हो रहा है। प्रतिदिन करीब 1,300 उड़ानों का संचालन होता है।

डीजीसीए ने जारी किए निर्देश

शनिवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में दृश्यता 200 मीटर के करीब रही। मौसम विभाग ने दिल्ली में कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि पूरे दिन दृश्यता कम रह सकती है। इंडिगो मामले में हंगामे के बाद सरकार भी हवाई सेवाओं को लेकर सक्रियता बरत रही है।

पंजाब नेशनल बैंक की एटीएम में दिनदहाड़े लूट

एटीएम में रकम डाल रहे महिला कर्मियों से नोटों का बंडल लूट कर नकाबपोश लुटेरा हुआ चंपत

अकलतरा। आज सुबह मिनी माता चौक के पास पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित एटीएम में नकदी रकम डाल रही महिला बैंक कर्मियों से अज्ञात लुटेरे नोटों का बंडल लूट कर फरार हो गए। लूटी गई रकम 57 हजार 2 सौ रुपए बताई जा रही है। इस संबंध में यह जानकारी मिली कि शनिवार की सुबह पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित एटीएम में दो महिला कर्मचारी बैंक से नगदी रकम ट्रे में रखकर एटीएम में डाल रहीं थी इसी दौरान एक नकाबपोश ▶▶शेष पेज 6 पर

बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं

एटीएम में राशि डालते समय नकाबपोश के द्वारा बैंक कर्मियों को धक्का देकर 57200 रुपए की लूट हुई है। विगत कुछ वर्षों से ऑनलाइन व्यवस्था होने के बाद उच्च कार्यालय से बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं है।

-अरविंद मिश्रा, शाखा प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक मिनीमाता चौक, तरौद, अकलतरा

तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामला

पाक के पूर्व पीएम इमरान और बुशरा को 17-17 साल की कैद

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की जवाबदेही अदालत ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में शनिवार को 17-17 साल के कारावास की सजा सुनाई। अगस्त 2023 से जेल में बंद खान (73) अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद से विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे हैं।

इमरान ने खारिज किया था आरोप

इमरान खान ने आरोपों को खारिज कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि मामला फर्जी है। मामला जुलाई 2024 में दायर किया गया था। इसमें आरोप था कि खान और बीबी ने मूल्यवान वस्त्र, महंगी घड़ियां, हीरे और सोने के आभूषणों को तोशाखाना में जमा किए बिना बेच दिया था।

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक से मिली जानकारी

आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे भारत-नीदरलैंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मुश्किल दौर में नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वेन वील के एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि बैठक में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जारी प्रमुख गतिविधियों, यूक्रेन, दक्षिण-एशिया-पश्चिम-एशिया और मध्य एशिया के हालातों के साथ-साथ कई अन्य क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। ▶▶शेष पेज 6 पर

व्यापार-निवेश को बढ़ावा मिलेगा

मंत्रालय ने बताया कि नीदरलैंड के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा जहां एक ओर दोनों देशों के बीच निरंतर आधार पर किए जाने वाले उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को प्रदर्शित करती है। साथ ही ये भारत-नीदरलैंड के बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को भी और अधिक मजबूती प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आतंकवाद किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं : भारत

बैठक में नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने राजधानी दिल्ली में बीते वक्त में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी ओर से संवेदनाएं प्रकट की हैं। इसके अलावा दोनों पक्षों ने आतंकवाद की उसके सभी रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों की सख्त अंदाज में निंदा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इस वैश्विक चुनौती से मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को व्यापक और सतत रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई मौजूदा शून्य सहिष्णुता की नीति को भी मजबूती के साथ दोहराया।

एआई सम्मेलन में होगी नीदरलैंड की भागीदारी

बैठक में भारतीय पक्ष ने अगले साल फरवरी महीने में नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले एआई सम्मेलन में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कॉफ का स्वागत करने की प्रतीक्षा करने का जिक्र किया। वहीं, डच पक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा के लिए निमंत्रण दिया है। जिससे द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दोनों पक्षों ने साझेदारी से जुड़े हुए नए और उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति दी होंगे। जिसमें सेमीकंडक्टर, रक्षा, डिजिटल, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, शिक्षा, मोबिलिटी मुख्य हैं।

केंद्र सरकार का 'विकसित भारत- जी राम जी' बिल आखिर संसद में पारित हो गया। सत्ता पक्ष का तर्क है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। नए विधेयक के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। उधर, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इसके नाम परिवर्तन पर विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि इस योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। वहीं, विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। अब असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

भरोसे की कसौटी पर 'जी राम जी'

विश्लेषण

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार लंबी और तीखी राजनीतिक बहस के बाद 'जी राम जी' विधेयक लोकसभा में पारित हो गया। मजदूरों के हित में लाए गए इस विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे एक लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर, धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक 2025' के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सरकार का दावा है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। अनियमितताएं बढ़ीं।

मजदूरों के हित में लाए गए 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। उम्मीद करें कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम परिवर्तन पर विपक्ष नाराज

मजदूरी और निर्माण सामग्री के अनुपात में गड़बड़ी, फर्जी जॉब कार्ड, भुगतान में देरी और राज्यों में धन के दुरुपयोग जैसे आरोप लंबे समय से सामने आते रहे हैं। सरकार का कहना है कि नए विधेयक में तकनीक, निगरानी और जवाबदेही को मजबूत किया गया है, ताकि गरीब मजदूर तक योजना का वास्तविक लाभ पहुंचे।

वहीं विपक्ष की आपत्ति का केंद्र केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि नाम परिवर्तन भी है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार योजनाओं के नाम बदलने में ज्यादा रुचि रखती है, बजाय उनके प्रभावी क्रियान्वयन के। उनका कहना है कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि उस विचारधारा को कमजोर करने का प्रयास है, जो गांव, श्रम और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखती है। विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसी कारण विपक्ष ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की, ताकि विस्तृत चर्चा और संशोधन हो सकें, लेकिन यह मांग लोकसभा में खारिज कर दी गई। सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों का तीखा जवाब दिया।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया, जबकि उनके आदर्शों को जमीन पर लागू नहीं किया। उन्होंने याद दिलाया कि मनरेगा का मूल नाम 'नरेगा' था और 2009 के चुनाव से पहले इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया।

सरकार का दावा है कि मोदी सरकार ने गांधी के ग्राम स्वराज, स्वावलंबन और श्रम की गरिमा के विचारों को वास्तविक नीतियों में उतारने का प्रयास किया है। चौहान ने आंकड़ों के जरिए यह भी बताया कि कांग्रेस शासन के दौरान जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए, वहीं मौजूदा सरकार के दौरान यह आंकड़ा 3210 करोड़ तक पहुंचा। महिलाओं की भागीदारी भी 48 प्रतिशत से बढ़कर 56.73 प्रतिशत होने का दावा किया गया। सरकार की एक बड़ी दलील यह भी रही कि मनरेगा में मजदूरी और सामग्री खर्च का संतुलन कई राज्यों में बिगड़ा हुआ था। नियमों के अनुसार जहां 60 प्रतिशत राशि मजदूरी पर खर्च होनी चाहिए थी, वहां कई राज्यों में यह अनुपात कम कर दिया गया और सामग्री पर बेहद कम खर्च दिखाया गया। इससे न केवल काम की गुणवत्ता प्रभावित हुई, बल्कि भ्रष्टाचार के रास्ते भी खुले।

लूट-खसोट पर लगाम लगेगी

सरकार का कहना है कि 'जी राम जी' विधेयक में इन खामियों को दूर करने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं और तकनीकी निगरानी से लूट-खसोट पर लगाम लगेगी। हालांकि विपक्ष का यह सवाल भी वाजिब है कि किसी योजना की आत्मा केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। मनरेगा ने अपने शुरुआती वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल दिया, पलायन को रोका और संकट के समय लाखों परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का काम किया। कोरोना काल में भी इस योजना ने ग्रामीण भारत को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में विपक्ष का डर है कि बदलाव की आड़ में यदि योजना की पहुंच या अधिकार कमजोर हुए, तो इसका सीधा असर सबसे गरीब वर्ग पर पड़ेगा। विपक्ष दलों ने संसद से सड़क तक इस विधेयक को लेकर विरोध जताया। कहा, महात्मा गांधी का नाम हटाकर सरकार ने उचित नहीं किया। विपक्ष ने इसे गांधी का अपमान भी बताया। सच यह भी है कि मनरेगा जैसी बड़ी योजना में खामियां रही हैं और कुछ राज्यों में केंद्र व राज्य-दोनों की जिम्मेदारी तय होती है। भुगतान में देरी, काम की उपलब्धता और निगरानी की समस्याएं वास्तविक रही हैं।

अब 125 दिन काम की गारंटी

यदि नया विधेयक इन समस्याओं को दूर करता है और सरकार का यह दावा सही साबित होता है कि अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि पारदर्शिता केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखे। आखिरकार 'जी राम जी' विधेयक केवल नाम परिवर्तन या राजनीतिक जीत–हार का मुद्दा नहीं होना चाहिए। यह करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की रोजी–रोटी से जुड़ा सवाल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष-दोनों को चाहिए कि वे जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के बजाय इसके क्रियान्वयन पर नजर रखें।

सुरक्षित भविष्य की उम्मीद

यदि सरकार वास्तव में गांधी के आदर्शों को जीवित रखने और विकसित गांव की नींव पर विकसित भारत बनाने का दावा कर रही है, तो उसे इस विधेयक को पूरी ईमानदारी से लागू करना होगा। वहीं विपक्ष की भूमिका भी केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझाव देने की होनी चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए नाम और नए ढांचे के साथ यह योजना मजदूरों के काम के अधिकार को मजबूत करेगी, गांवों में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देगी और राजनीति से ऊपर उठकर उस उद्देश्य को पूरा करेगी। उम्मीद करनी चाहिए कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम बदलने के साथ हकीकत भी बदले

नई योजना

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

शेक्सपियर के मशहूर नाटक रोमियो एंड जूलियट की एक लाइन है, जिसका अर्थ है- नाम में क्या रखा है। आज अगर शेक्सपियर होते तो भारत की संसद उन्हें बताती कि शेक्सपियर महोदय, नाम में बहुत कुछ रखा है। संसद अब सिर्फ नाम पर ही बहस करेगी क्योंकि मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार ने मनमोहन सरकार द्वारा लाई गई योजना महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) का नाम बदलकर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी राम जी) कर दिया है। बहरहाल, विपक्ष ने इसका विरोध बिल के प्रावधानों के साथ ही ये कहकर भी किया कि महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। ये पहली बार नहीं है जब मोदी सरकार पुरानी योजनाओं की जगह नए नाम के साथ स्कीम लाई हो। योजनाओं के नाम के साथ ही शहरों के नाम, सड़कों के नाम, जगहों के नाम बदले गए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि 1975 से 2013 के बीच शुरू की गई 32 योजनाओं को मोदी सरकार ने नाम बदलकर लॉन्च किया। वह सरकार पर पुरानी योजनाओं की रीपैकेजिंग और रीब्रैंडिंग का इल्जाम लगाती रही है। गांधीजी का नाम हटाना उनकी विरासत को मिटाने की कोशिश है। सिर्फ नाम बदलकर क्रेडिट लेने की मांग है जबकि पहले मोदीजी इसे फेलियर का स्मारक कहते थे। जबकि सरकार का कहना है कि यह विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़ा है और गांधीजी के विचारों से कोई विरोध नहीं है। नए कानून की सबसे बड़ी घोषणा है कि ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले गारंटीड रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 कर दिए जाएंगे। 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार मिलने से उनकी आय में इजाफा होगा, साथ ही रोजगार सृजन के नए तरीके विकसित होंगे। पहली नजर में यह फैसला राहत भरा लगता है, लेकिन इसके साथ एक बड़ा बदलाव भी जुड़ा है। अब इस योजना का पूरा खर्च केंद्र सरकार नहीं उठाएगी। राज्यों को 10 से 40 प्रतिशत तक खर्च अपनी जेब से देना होगा। यानी जहां पहले मनरेगा पूरी तरह केंद्र प्रायोजित योजना थी, अब राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ने वाला है। जमीनी हकीकत यही है कि गरीब राज्य यह योजना लागू नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास वित्तीय बोझ उठाने की क्षमता नहीं होगी और केन्द्र ने पहले ही खुद को यह कहकर निकल लेने का जुगाड़ कर लिया है। 'जी राम जी' बिल में एक और अहम प्रावधान है। बुवाई और कटाई के मौसम के दौरान करीब 60 दिन तक इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे खेती के समय मजदूरों की कमी नहीं होगी और किसान परेशान नहीं होंगे। विपक्ष का कहना है कि इससे गरीब मजदूरों को महीनों तक काम से वंचित रहना पड़ेगा। वहीं, मोदी सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने और रोजगार के दिनों की संख्या बढ़ाने का फैसला पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भी अहम माना जा रहा है।

असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

अब नए बिल से सरकार विपक्ष के इस आरोप का जवाब देने की कोशिश करेगी। यह योजना बीजेपी और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी के बीच राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी हुई है, क्योंकि केंद्र ने कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए 2022 से पश्चिम बंगाल को निधि देना रोक रखा था। खैर, सियासत अपनी जगह है, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मांग के अनुरूप 100 दिनों का काम उपलब्ध कराने के अनिवार्य दायित्व के बावजूद, प्रति वर्ष 50-55 दिनों से ज्यादा काम उपलब्ध कराने में लगातार विफल रही है। यह स्थिति तब है जब नौकरियों की मांग लगातार बढ़ी है और ग्रामीण क्षेत्रों का संकट और ज्यादा गहराया है। दूसरी तरफ, मनरेगा के लिए बजट आवंटन में लगातार कटौती की गई है। मनरेगा का उद्देश्य केवल रोजगार प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, तालाब निर्माण और वृक्षारोपण जैसी अवसंरचनात्मक परियोजनाएं कराकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना भी है। बेशक, 'जी राम जी' के नाम, काम के दिन और ढांचे में बदलाव जरूर बड़ा है, लेकिन असली सवाल यही है कि क्या इससे गांवों में रोजगार की स्थिति सच में सुधरेगी। अनुभव बताता है कि सिर्फ नाम बदलने और कागजी गारंटी बढ़ाने से जमीन पर बदलाव नहीं आता। असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

उपयोगी सिद्ध होगी केंद्र सरकार की योजना

सार्थकता

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

देश के अधिसंख्यक नागरिकों, मतदाताओं व लोगों की दृष्टि में अस्तित्वहीन विपक्ष के अति अराजक प्रतिरोध के बाद अंततः 18 दिसंबर 2025 को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' लोकसभा में अधिमतों के साथ पारित हो गया। एक दिन पूर्व सभासदन में इस विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शीतकालीन सत्र में संसदीय पटल पर रखा गया विधेयक कांग्रेस समेत अन्य दलों के सांसदों को रास नहीं आया। विपक्ष का विरोधी आचरण मात्र विरोध के लिए दिखाई दिया।

विपक्षी सांसदों ने जो बातें उठाईं, उनकी कहीं कोई सार्थक उपयुक्तता नहीं दिखाई दी। उल्लेखनीय है कि पारित विधेयक 25 वर्ष पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। हल्ला करने, बड़बोला आचरण दिखाने तथा देश के सभ्य नागरिकों की दृष्टि में स्वयं को अधिक से अधिक पतित करते हुए कहने को तो विपक्ष मनरेगा के नाम परिवर्तन को महात्मा गांधी के अपमान से जोड़ रहा है, पर विचार करने वाली बात ये है कि अखिल भारतीय रोजगार गारंटी की योजना का अपेक्षित क्रियान्वयन किसी व्यक्ति के नाम के साथ जुड़े रहने से होगा अथवा वर्तमान सत्ता, शासन-प्रशासन द्वारा लोकतांत्रिक निष्ठा के साथ इसके उपयोगी अद्यतनीकरण से होगा। विधेयक के महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है रोजगार दिवसों में 100 के स्थान पर 125 दिवसों की वृद्धि। मनरेगा को जी राम जी नाम के साथ अद्यतन करने वाले विधेयक पर सामान्य नागरिकों की पहली प्रतिक्रिया तो यही होगी कि यह इतना गंभीर विषय नहीं था, जो संसद से लेकर सड़क तक विरोध के नाम पर विरोध करके फैलाया व उठाया जाए। कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार के दो पंचवर्षीय कार्यकाल में मनरेगा से जुड़ा भ्रष्टाचार आये दिन लोगों के बीच चर्चा का विषय हुआ करता था। लोग कैसे भूल सकते हैं कि केंद्रीय शासन-प्रशासन से लेकर ग्रामों के प्रधानों तक ने आभासी मनरेगा रोजगार दिखाकर करोड़ों की धनराशि का हेरफेर किया था। अवैध घुसपैठियों को मनरेगा रोजगार के पत्र मिले हुए थे। धरातल पर इनमें से कोई भी व्यक्ति कोई रोजगार या कार्य नहीं करता था, किंतु इनके नाम पर धनाबंटन होता रहा और अवैध तंत्र में ऊपर से नीचे तक परस्पर विभाजित होता रहा। इस समय भारतीय संसद में विपक्ष का अस्तित्व शून्यगति को प्राप्त है। बात यदि जनता के हित की है, तो वो भलीभांति अवगत है कि ग्रामीण विकास मंत्री के नेतृत्व में जी राम जी योजना लोकहित में परिष्कृत की जा रही है। परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

ग्रामीण रोजगार योजना पर बने पक्ष-विपक्ष की सहमति

मुद्दा

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

मनरेगा पर एक बार फिर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गया। यह देश की एक बड़ी योजना है जो रीढ़ की हड्डी भी मानी जाती है और अब फिर से चर्चाओं में आ गई। मामला यह है कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान मनरेगा कानून आया था। यूपीए सरकार ने 2005 में 'ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून' को लागू किया था और 2009 में इसके नाम के साथ 'महात्मा गांधी' जोड़ा गया। यह दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना मानी जाती है।

पिछले दो दशकों से मनरेगा ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रही है लेकिन अब मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी राम जी' बिल कर दिया है। संसद के दोनों सदन से यह बिल पास हो गया है लेकिन इसको विपक्ष के सवालों की बड़ी बौछार हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इस अहम कानून में बदलाव करने के लिए जो राज्यों पर बहुत ज्यादा वित्तीय बोझ डालेंगे तो यह योजना निश्चित तौर विफल हो जाएगी, लेकिन इसके लिए पक्ष-विपक्ष को यह समझना चाहिए कि मनरेगा जैसी योजना पर राजनीति नही करनी चाहिए। चूंकि इस योजना से एक बड़ा वर्ग साधा जाता है। मनरेगा के मुख्य लाभों में अकुशल श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, काम में लिंग-आधारित वेतन अंतर को खत्म करना, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास आदि शामिल हैं। इन सब सुविधाओं व इसके लाभ लेने वाले वर्ग से यह तो तय हो जाता है कि इसमें कहीं भी राजनीति की जरूरत नहीं है। देश के उस वर्ग को लाभ देना जो जमीनी स्तर पर अपने काम से देश निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है,यह किसी भी सरकार का धर्म,फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। यदि केवल नाम बदलने की बात है तो इसमें विपक्ष को हंगामा करने की जरूरत नहीं है। यदि सत्ताधारी पक्ष को इसमें कुछ बदलाव करने हैं तो वह इस तरह के बदलाव करे जिससे लाभकारियों को फायदा मिले और इसकी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए वहीं यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले। राजनीति करने के लिए भारत जैसे देश में इतने मुद्दे हैं कि हर घंटे एक मुद्दे को उठाया या भुनाया जाए तो पक्ष-विपक्ष का पूरा वर्ष बीत जाएगा लेकिन कुछ मुद्दों पर केवल काम किया जाए वह बेहतर ही है। बीती कांग्रेस की सरकार में सैकड़ों योजनाएं लागू की गई थी, जिसमें जनता को लाभ भी मिला लेकिन हमेशा दलालों को बोलबाला रहता था। अब डिजिटल युग आने के बाद प्रक्रियाएं अपडेट व अपग्रेड हुई हैं लेकिन अब भी स्थिति पूर्ण रूप से लाभकारियों के नियंत्रण में नही है चूंकि किसी भी योजना के लिए लागू करने से ज्यादा उसके लिए जागरूक करना होता है।

इस योजना की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले।

कांग्रेस की ओर से बयान आया है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलने के साथ ही अब इसका बोझ राज्यों पर डाल दिया है। जो अधिकार पहले पंचायतों के पास थे, उन्हें अब छीनकर केंद्रीयकृत व्यवस्था को सौंपा जा रहा है। यह कदम महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान है और कांग्रेस इसका सख्ती से विरोध करेगी। यह समझना चाहिए कि यदि मौजूदा सरकार किसी भी योजना में बदलाव करती है तो यह तय नहीं है कि वह उसमें जनहित का ख्याल नहीं रखती बल्कि उसको पहले से बेहतर करके लागू करती है। कांग्रेस इस मामले में जरूरत से ज्यादा उपस्थिति दर्ज करवाते हुए खुद अपनी शुरू की हुई योजना पर सवालिया निशान खड़े कर रही है। चूंकि इस योजना को लेकर सबसे ज्यादा विरोध प्रर्दशन उनके ही कालखंड में हुआ था। प्रशासनिक जिम्मेदारी में राज्य सरकार की बड़ी भूमिका है।

इससे तय हो जाता है कि यह केन्द्र व राज्य सरकारों की तालमेल के साथ ही इतनी बड़ी योजना को अंजाम दिया जाता है। इसको लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत देश की सबसे अहम योजना है जिसके लिए हर रोज बेहतर होना अनिवार्य है व इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए दो महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के बीच गरीबी में लगातार कमी आ रही है। दो, हाल ही में 16 दिसंबर को सरकार के द्वारा संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने और इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वी बी जी राम जी नामक नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने संबंधी स्वीकृत किया गया विधेयक कानून बनने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए दिखाई देगा।

गौरतलब है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण भारत का योगदान बढ़ता जा रहा है। भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। केवल औपचारिक स्त्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 फीसदी हो गया, जो सितंबर 2024 के 48.7 फीसदी था। वस्तुतः ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है। गाँवों में भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर विश्वास बढ़ने, ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज की निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर

केंद्र सरकार को गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की भी जरूरत है।

बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहाँ वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। देश के गाँवों में अप्रैल 2020 से शुरु की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। अब संसद में स्वीकृत किए गए वी बी जी राम जी विधेयक के कानून बनने के बाद ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव आएगा। प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार गारंटी कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और मौजूदा फंडिंग संरचना को बदलने का प्रस्ताव है। केंद्र और राज्यों के बीच फंडिंग की हिस्सेदारी मौजूदा अधिकतम 90:10 अनुपात के मुकाबले 60:40 के अनुपात में होगी। मसौदा विधेयक में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य कर रही मनरेगा को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना में बदल दिया गया है। ग्रामीण रोजगार स्वाभाविक रूप से स्थानीय है और राज्यों को अब लागत और जिम्मेदारी साझा करनी होगी। जीराम जी के कानून बनने के बाद भी हमें ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। गाँवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उन कानूनों के पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा।

ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा। नए दौर की कौशल युक्त शिक्षा तथा ग्रामीण बेरोजगारी जैसी चुनौतियों के निराकरण के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि सरकार ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती खपत के सुकूनदेह परिदृश्य के बीच मनरेगा के बदलाव के बाद जो वी बी जी राम जी कानून लाने जा रही है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकेगी और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

जीतन राम मांझी के वायरल वीडियो पर बिहार में घमासान

'आईएएस ने की हमारे उम्मीदवार को जीत दिलाने में मदद'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह दावा कर रहे हैं कि गया के एक अधिकारी को किए गए फोन कॉल से उनकी पार्टी के एक उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हुई, जो 2020 के विधानसभा चुनावों में लगभग 2700 वोटों से पीछे चल रहे थे। इस वीडियो ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। विपक्ष ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए जांच की मांग की है।

खुलेआम हो रही हेराफेरी : विपक्ष

आरजेडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध कुमार मेहता ने कहा, 'केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का यह बयान बेहद गंभीर है। उन्होंने एक आईएएस अधिकारी का नाम भी लिया है। बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने बताया, 'मांझी का खुलेआम स्वीकार करना दिखाता है कि चुनाव परिणामों में किस तरह से खुलेआम हेरफेर और प्रभाव डाला जा रहा है। यह दर्शाता है कि मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा नौकरशाही का किस तरह दुरुपयोग किया जा रहा है।'

केंद्रीय मंत्री फोन काल के जरिये जीत मिलने की बात कह रहे

इस वीडियो ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है

वायरल वीडियो में यह कहा

यह वीडियो 14 दिसंबर को 2025 के विधानसभा चुनावों में हम (एस) की जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक समारोह का बताया जा रहा है। इसमें मांझी को यह कहते हुए दिखाया गया है, 'वह (टिकारी हम (एस) उम्मीदवार अनिल कुमार) 2020 के चुनावों में 2600 वोटों से पीछे चल रहे थे, लेकिन मैंने यह सुनिश्चित किया कि वे चुनाव जीतें। इस बार, वे केवल 1600 वोटों से पीछे थे, लेकिन उन्होंने ऐसी कोई विनती नहीं की।' मांझी ने त्रिपुरा में तैनात एक आईएएस अधिकारी का भी नाम लिया, जिन्होंने उनके टिकारी उम्मीदवार को 2020 के चुनावों में 2630 वोटों से जीत दिलाने में मदद की थी। इस बार, अनिल कुमार 2,058 वोटों से हार गए। वीडियो में मांझी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वही उम्मीदवार 2025 के विधानसभा चुनावों में इसलिए हार गए क्योंकि उन्होंने इस बार उनसे इसी तरह की मदद के लिए फोन नहीं किया।

वीडियो के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ की गई है : मांझी

मांझी ने वीडियो की सामग्री को भी खारिज करते हुए दावा किया कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश है। उन्होंने कहा- कुछ लोगों को लगता है कि वे मुसहर के बेटे को बदनाम कर देंगे। मैं ऐसे लोगों से कहना चाहता हूं कि अब कोई भी मुसहर के बेटे को अपमानित या मूर्ख नहीं बना सकता। बिहार के उद्योग मंत्री और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा, 'मैंने मांझी का गया का बिना काटा-छांटा वीडियो देखा था। वह केवल 2020 के चुनावों के दौरान मतगणना की धीमी प्रक्रिया का जिक्र कर रहे थे और बता रहे थे कि कैसे उनके उम्मीदवार अंतिम दौर तक पिछड़ते रहे और अंततः जीत गए।'

सरकार ने मनरेगा पर चला दिया बुलडोजर : सोनिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने मनरेगा बिल पास होने पर कहा, '20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे और उस समय मनरेगा संसद में आम राय से पास हुआ था। इसने गरीबों को रोजगार का कानूनी हक दिया था और इससे ग्राम पंचायतों को ताकत मिली थी। सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के सपनों की ओर एक ठोस कदम उठाया गया मोदी सरकार ने गरीबों के हितों को कमजोर करने की कोशिश की है हाल ही में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था। यह देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इससे गरीबों के हितों पर हमला किया है।

'वंचितों की रोजी-रोटी का जरिया'

गांधी ने अपने एक्स पर लिखा, 'भाई और बहनों.. नमस्कार! मुझे आज भी याद है, 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अतिगरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना।'कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि रोजगार के लिए अपनी माटी, अपना गांव, अपना घर-परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी। रोजगार का कानूनी हक़ दिया गया, साथ ही ग्राम पंचायतों को ताकत मिली। मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के भारत की ओर एक ठोस कदम उठाया गया।

कोविड के वक़्त साबित हुआ संजीवनी

सोनिया ने कहा कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार, गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की, जबकि कोविड के वक़्त ये गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ। लेकिन बहुत अफसोस की बात है कि अभी हाल में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया। न सिर्फ महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, बल्कि मनरेगा का रूप-स्वरुप बिना विचार-विमर्श किए, बिना किसी से सलाह-मशवरा किए, बिना विपक्ष को विश्वास में लिए मनमाने ढंग से बदल दिया गया।उन्होंने कहा कि अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी।

यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था

गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। ये देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोड़ों किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि इस हमले का मुकाबला करने के लिए हम सब तैयार हैं। 20 साल पहले अपने गरीब भाई-बहनों को रोजगार का अधिकार दिलवाने के लिए मैं भी लड़ी थी, आज भी इस काले कानून के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं। गांधी ने आगे कहा कि मेरे जैसे कांग्रेस के सभी नेता और लाखों कार्यकर्ता आपके साथ खड़े हैं। जय हिंद।

गुवाहाटी की जनसभा में बोले प्रधानमंत्री

'कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके सुधार रहा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में शनिवार को जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की सरकारों ने असम और पूर्वोत्तर को विकास से दूर रखने का जो पाप किया था उसका बहुत बड़ा खामियाजा देश की एकता, सुरक्षा, अखंडता को उठाना पड़ा।

कांग्रेस की सरकारों में हिंसा का दौर दशकों तक फलता-फूलता रहा। हम केवल 10-11 वर्षों में उसे खत्म करने की ओर बढ़ रहे हैं। पूर्वोत्तर में जो जिले हिंसाग्रस्त माने जाते थे, आज वह आकांक्षी जिलों के रूप में विकसित हो रहे हैं।' 'कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके उन गलतियों को सुधार रहा है। पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए असम का विकास जरूरत भी है, जिम्मेदारी भी है और इसकी जवाबदेही भी है। इसलिए बीते 11 वर्षों में असम, पूर्वोत्तर के लिए लाखों-करोड़ो की परियोजनाएं शुरू हुई हैं।

एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन

बंगाल की चुनावी सभा वर्चुअली की संबोधित

80 फीट ऊंची प्रतिमा का भी अनावरण

पीएम मोदी ने गुवाहाटी में लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी किया। यह टर्मिनल करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और देश का पहला प्रकृति आधारित थीम वाला एयरपोर्ट टर्मिनल है। यह एयरपोर्ट असम के पहले मुख्यमंत्री लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई के नाम पर है। एयरपोर्ट परिसर के बाहर उनकी 80 फीट ऊंची प्रतिमा का भी प्रधानमंत्री ने अनावरण किया।

घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहीं ममता

इसके पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने नादिया जिले में आने वाले राणाघाट की रैली को मोबाइल से संबोधित किया। खराब मौसम के कारण पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर लैंड नहीं कर पाया। अपने संबोधन में पीएम ने बंगाल में एसआईआर के दौरान 58 लाख नाम डिलीट किए जाने के बाद बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा, वह (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) उन घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं जो पश्चिम बंगाल पर कब्ज़ा करने पर तुले हुए हैं। टीएमसी घुसपैठियों को बचाने के लिए पश्चिम बंगाल में एसआईआर का विरोध कर रही है। पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है। उन्हें हमारा जमकर बार-बार, पूरी ताकत से विरोध करने दीजिए। मुझे समझ नहीं आता कि पश्चिम बंगाल के विकास में रुकावट क्यों डाली जा रही है। आप मोदी का विरोध कर सकते हैं, लेकिन बंगाल के लोगों को दुखी मत कीजिए। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित मत कीजिए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री योजना पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर, 2021 के बाद से पीएमजेवीके के तहत केरल को फंड ना दिए जाने पर सरकार से सवाल पूछा है। उन्होंने अपने पोस्ट में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को टैग किया है। थरूर ने लिखा, 'लोकसभा के प्रश्नकाल में पीएमजेवीके पर चर्चा का समय नहीं मिल सका, लेकिन यह हैरान करने वाला है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने सदन को दिए एक लिखित जवाब में बताया कि 2021 के बाद से केरल को पीएमजेवीके के तहत कोई भी फंड नहीं दिया गया है।

राशिफल

मेष मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

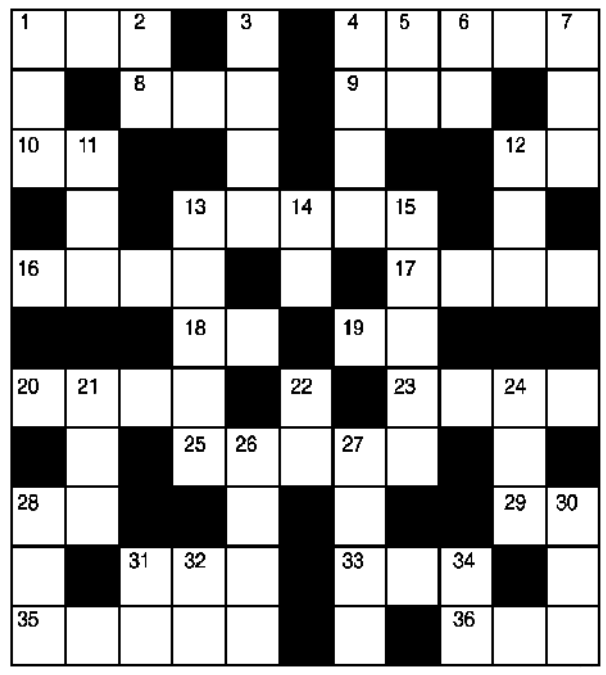

मीन मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 6084

बाएँसेदाएं
1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़प्पन-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे
1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -6083 का हल

सूडोकु नवताल - 6094

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6093 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

प्रारूप 'क'

राज्य शासन के विभाग/उपक्रम/संस्था जल संसाधन संभाग मुंगेली के मनियारी बैराज योजना के अन्तर्गत डूब क्षेत्र में प्रभावित ग्राम कुकुसदा प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. अमसेना तहसील पथरिया, जिला मुंगेली की भूमि क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अंदर आधार सहित लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	कृषक का नाम	खसरा नम्बर	पिछली उगाई गई फसल	धारित रकबा (हे.)	प्रभावित रकबा एकड़/हे. में		
					एकड़	हे.	वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	समारू पिता टिकैत, रोहित, शोभित, शोभाराम पिता हरदेव, अनुसुईया बाई पति स्व. हरदेव, हरिशचंद्र पिता टिकैत	221/1 में से	असिंचित	0.543	0.75	0.304	--
	योग	**1**	--	**0.543**	**0.75**	**0.304**	--
2	अकतूराम पिता बैसाखू, संगिया पिता बैसाखू, भंगिया बाई पिता बैसाखू गोड़	221/2	असिंचित	0.405	1.00	0.405	--
	योग	**1**	--	**0.405**	**1.00**	**0.405**	--
3	आजूराम, रामझूल, रामचंद, रामकिशुन पिता राजाराम, फुलबाई, झुलबाई, फुलकुंवर पिता राजाराम	221/5 में से	असिंचित	0.356	0.35	0.142	--
	योग	**1**	--	**0.356**	**0.35**	**0.142**	--
4	रोहित, शोभित, शोभाराम पिता हरदेव, अनुसुईया बाई पति स्व. हरदेव (रौनाकापा)	221/6 में से	असिंचित	0.425	0.88	0.356	--
	योग	**1**	--	**0.425**	**0.88**	**0.356**	--
5	शिवकुमार निर्मलकर पिता बसावन	222 में से	असिंचित	0.162	0.20	0.081	--
		249	असिंचित	0.129	0.32	0.129	--
		250/1	असिंचित	0.122	0.30	0.122	--
	योग	**3**	--	**0.413**	**0.820**	**0.332**	--
6	रामस्वरूप निर्मलकर पिता बसावन	224/2	असिंचित	0.085	0.21	0.085	--
	योग	**1**	--	**0.085**	**0.21**	**0.085**	--
7	गोपाल, गोकुल, रोहित, रामप्रसाद, हरप्रसाद, रामझूल, गोदावरी, रामकुंवर आ. फगुवा, धना बाई पति फगुवा	223 में से	असिंचित	0.142	0.20	0.081	--
	योग	**1**	--	**0.142**	**0.20**	**0.081**	--
8	बुदकुंवर पति झाडूराम जाति गोड़	225/2 में से	असिंचित	0.648	0.21	0.085	--
		240/1	असिंचित	0.146	0.36	0.146	--
	योग	**2**	--	**0.794**	**0.570**	**0.231**	--
9	देवचंद पिता बहर	237	असिंचित	0.061	0.15	0.061	--
		238/2	असिंचित	0.421	1.04	0.421	--
	योग	**2**	--	**0.482**	**1.190**	**0.482**	--
10	रामचंद्र पिता बहर	238/1	असिंचित	0.481	1.19	0.481	--
	योग	**1**	--	**0.481**	**1.19**	**0.481**	--
11	जलेश्वर सिंह पिता कंठीराम	240/2	असिंचित	0.129	0.32	0.129	--
	योग	**1**	--	**0.129**	**0.32**	**0.129**	--
12	संतोष, हेम कुमार, गोवर्धन, पंचराम, सोनकली, सावित्री पिता कुंज राम, रामप्रसाद, रामसुंदर, श्यामसुंदर, सुखनाथ पिता चैन सिंह	240/3	असिंचित	0.142	0.35	0.142	--
	योग	**1**	--	**0.142**	**0.35**	**0.142**	--
13	कलेसर, बलेसर पिता चिंता (गोंड़)	240/4	असिंचित	0.134	0.33	0.134	--
	योग	**1**	--	**0.134**	**0.33**	**0.134**	--
14	संदीप, संगीता, संजय, सावित्री बाई, संजू, अभिषेक पिता अंजोरी, अहिल्या बाई, कौशील्या बाई, सुनीता बाई, राजाराम पिता बनिया	241/1	असिंचित	0.061	0.15	0.061	--
	योग	**1**	--	**0.061**	**0.15**	**0.061**	--
15	सुकालू पिता हिरऊ, शीतल पिता दुकालू (गोंड़)	241/2-241/3	असिंचित	0.121	0.30	0.121	--
	योग	**1**	--	**0.121**	**0.30**	**0.121**	--
16	अजीतराम साहू पिता शिवकुमार	241/4	असिंचित	0.085	0.21	0.085	--
	योग	**1**	--	**0.085**	**0.21**	**0.085**	--
17	राजकुमार पिता बिसराम जाति गोंड़	242/1	असिंचित	0.154	0.38	0.154	--
	योग	**1**	--	**0.154**	**0.38**	**0.154**	--
18	परमेश्वर पिता विश्राम जाति गोंड़	242/2	असिंचित	0.154	0.38	0.154	--
	योग	**1**	--	**0.154**	**0.38**	**0.154**	--
19	गुहिरा पिता परसू, श्रवण पिता रजउ, सतीश पिता रजउ, हीराबाई बेवा रजउ, केजउ पिता गनीराम, केजाराम पिता मनीराम, नंदकुमार पिता वेदराम, मनीष कुमार पिता बेदराम, नंदरानी पुत्री वेदराम, कविता पुत्री वेदराम, पुत्री बाई बेवा वेदराम, संतोष पिता सोमभार सिंह, हेमंत पिता रामबिलास, धनसिंह पिता रामबिलास, धरमसिंह पिता रामबिलास, मोहनमती पुत्री रामबिलास,	243/1	असिंचित	0.194	0.48	0.194	--
	बिहारी पिता पन्नालाल, अजय पिता हरि, विजय पिता हरि, हरकुंवर पुत्री पन्नालाल, दुर्गा बाई पिता पन्नालाल, अशोक पिता महेत्तर, कमलेश पिता महेत्तर, बसंत पिता महेत्तर, कावेरी पुत्री महेत्तर, कृष्णा पुत्री महेत्तर, संतोषी पुत्री महेत्तर, बसभतिया पुत्री महेत्तर, चंद्रिका पुत्री कन्हई, मनहरण पिता गोपाल, दिलहरण पिता गोपाल, वरस बाई पुत्री गोपाल, मेकरी पिता परसू, अरूण पिता घनश्याम, ना.बा. ईश्वर पिता घनश्याम वली सतरिका बेवा घनश्याम, अरूणा पुत्री घनश्याम, ना.बा. ईश्वरी पुत्री घनश्याम वली सतरिका बेवा घनश्याम, ना.बा. दुर्गेश्वरी पिता घनश्याम	243/2	असिंचित	0.101	0.25	0.101	--
	योग	**2**	--	**0.295**	**0.730**	**0.295**	--
20	रामकुमार, रामप्रसाद, रमेश कुमार, दिनेश, कुमार पिता राधेश्याम	244/2 245- 246- 247	असिंचित	0.190	0.47	0.190	--
		252 में से	सिंचित	0.397	0.58	0.235	--
	योग	**2**	--	**0.587**	**1.050**	**0.425**	--
21	फेकूलाल पिता गुहा धोबी	248	असिंचित	0.032	0.08	0.032	--
	योग	**1**	--	**0.032**	**0.08**	**0.032**	--
22	रामकुमार, रामप्रसाद, रमेश कुमार, दिनेश, कुमार पिता चैतूराम, सुनती, सरोज, अंजनी, नंदनी पुत्रियां चैतराम, निरौतिन बेवा चैतराम	250/2	असिंचित	0.369	0.91	0.369	--
	योग	**1**	--	**0.369**	**0.91**	**0.369**	--
23	नरेश कुमार पिता बसावन	250/2 में से	असिंचित	0.125	0.16	0.065	--
	योग	**1**	--	**0.125**	**0.16**	**0.065**	--
24	कलेसर, बलेसर पिता चिंताराम, बिसनीबाई पति चिंताराम	256/1-256/2 में से	असिंचित	1.453	1.75	0.709	--
	योग	**1**	--	**1.453**	**1.75**	**0.709**	--
25	भुनेश्वरदास मानिकपुरी, हेमलता मानिकपुरी पुत्रियां मिलनदास, लतेलदास, मथुरदास पिता धनदास	257/1	असिंचित	0.566	1.40	0.566	--
	योग	**1**	--	**0.566**	**1.40**	**0.566**	--
26	कपिलदास पिता सुखराम	257/2	असिंचित	0.405	1.00	0.405	--
		257/3	असिंचित	0.162	0.40	0.162	--
	योग	**2**	--	**0.567**	**1.400**	**0.567**	--
27	द्रौपती पिता पंचराम	258/2	असिंचित	0.413	1.02	0.413	--
		259/3	असिंचित	0.194	0.48	0.194	--
	योग	**2**	--	**0.607**	**1.500**	**0.607**	--
28	अविनाशदास, कालीदास, गायत्री बाई पिता कार्तिकदास, ना.बा. रोशनी पिता कार्तिकदास, सरस्वती पति कार्तिकदास, अघनदास पिता अंजोरदास, सरस्वती बाई पिता अंजोरदास, भगवती बाई पिता अंजोरदास, सविता पिता अंजोरदास, विमला बाई पति अंजोरदास	258/3	असिंचित	0.263	0.65	0.263	--
	योग	**1**	--	**0.263**	**0.65**	**0.263**	--
29	रामकुमार साहू पिता तिरिथराम	258/4	असिंचित	0.093	0.23	0.093	--
	योग	**1**	--	**0.093**	**0.23**	**0.093**	--
30	सुक्रीताबाई पति कार्तिकराम कलार	259/1	असिंचित	0.174	0.43	0.174	--
		262	असिंचित	0.376	0.93	0.376	--
	योग	**2**	--	**0.550**	**1.360**	**0.550**	--
31	रघुबर पिता मलेच्छ गोंड़	259/2	असिंचित	0.194	0.48	0.194	--
		260/2	असिंचित	0.194	0.48	0.194	--
		909/3 में से	असिंचित	0.223	0.28	0.113	--
		1128/2 में से	असिंचित	0.385	0.03	0.012	--
	योग	**4**	--	**0.996**	**1.27**	**0.513**	--
32	अशोक कुमार पिता साधेराम, सुरूजबाई, निरूजबाई, अनिताबाई, ललिताबाई पिता साधेराम, मेलनबाई पति साधेराम, टीकाराम, रविकुमार पिता बग्गू, समुंदाबाई पति बग्गू गोंड़	260/1-261/2	असिंचित	0.195	0.48	0.195	--
		261/1	असिंचित	0.239	0.59	0.239	--
		909/1 में से	असिंचित	0.141	0.08	0.032	--
		1098	असिंचित	0.417	1.03	0.417	--
	योग	**4**	--	**0.992**	**2.18**	**0.883**	--
33	जगदीश प्रसाद आ. झग्गू	260/3	असिंचित	0.194	0.48	0.194	--
	योग	**1**	--	**0.194**	**0.48**	**0.194**	--
34	राधेश्याम पिता बग्गू	261/3	असिंचित	0.182	0.45	0.182	--
		909/4	असिंचित	0.041	0.10	0.041	--
	योग	**2**	--	**0.223**	**0.55**	**0.223**	--
35	सीता राम पिता बग्गू	909/5	असिंचित	0.041	0.10	0.041	--
	योग	**1**	--	**0.041**	**0.10**	**0.041**	--
36	भास्कर प्रसाद पिता रामकिशुन, हरप्रसाद पिता रामकिशुन	263/2	सिंचित	0.295	0.73	0.295	--
		266/1 में से	सिंचित	0.466	0.50	0.202	--
		266/2 में से	सिंचित	0.466	0.40	0.162	--
	योग	**3**	--	**1.227**	**1.63**	**0.659**	--
37	बिमलाबाई पिता अंजोरदास	267/1 में से	असिंचित	0.405	0.30	0.121	--
	योग	**1**	--	**0.405**	**0.30**	**0.121**	--
38	मंगलू पिता गुहा, संजय, रज्जू, राजेन्द्र, शैलेन्द्र, सुमेंद्र, मधु पिता झंगलू, हिरमत बाई पति झंगलू, जीवन पिता गुहा, नगीनाबाई, उदासबाई, हुलसिया बाई, सरोजनी पिता गुहा	273-276/1 में से	असिंचित	1.396	0.65	0.263	--
	योग	**1**	--	**1.396**	**0.65**	**0.263**	--
39	रामनाथ पिता केजहा	274/1	असिंचित	0.571	1.41	0.571	--
	योग	**1**	--	**0.571**	**1.41**	**0.571**	--
40	सोनसाय पिता कुंजू, चंद्रकुमार पिता जनई, चंदर बाई, कुमारी बाई कुंवरिया, चंद्रकुमारी पुत्रिया जनई	275/3	असिंचित	0.802	1.97	0.802	--
	योग	**1**	--	**0.802**	**1.97**	**0.802**	--
41	धनसिंह ध्रुव, तिजऊ राम, विष्णु प्रसाद, धनसाय, मनसाय, पिता तुलसी राम, राजू पिता नारायण, वृहस्पति पिता तुलसीराम, धान बाई पिता तुलसी राम, रनिया बाई, रम्भा पिता बीर, बीरसिंह, बिसाऊ, शत्रुहन, बीर बाई पिता मुंशीराम पिता रामाधीन	294 में से	असिंचित	0.413	0.35	0.142	--
	योग	**1**	--	**0.413**	**0.35**	**0.142**	--
42	चंदनदास, सुखीदास, सुखनंदनदास, चन्द्रमती, दयामती, मायावती पिता सावत पनिका	296/2 में से	असिंचित	0.607	0.05	0.020	--
	योग	**1**	--	**0.607**	**0.05**	**0.020**	--
43	राजाराम, आजूराम पिता तिजऊ, द्रौपती पति फागूराम राजकुमारी पुत्री तिजऊ गोंड़	908 में से	असिंचित	0.640	1.00	0.405	--
	योग	**1**	--	**0.640**	**1.00**	**0.405**	--
44	रघु पिता मलेच्छ	909/2 में से	असिंचित	0.216	0.27	0.109	--
	योग	**1**	--	**0.216**	**0.27**	**0.109**	--
45	संजय, रज्जू कुमार, राजेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र, सुमेन्द्र, मधु पिता झंगलू, हिरमत बाई पति झंगलू	910	असिंचित	0.024	0.06	0.024	--
		911	असिंचित	0.158	0.39	0.158	--
		913	असिंचित	0.024	0.06	0.024	--
	योग	**3**	--	**0.206**	**0.510**	**0.206**	--
46	कार्तिकराम पिता रामाधार	915	असिंचित	0.159	0.39	0.159	--
	योग	**1**	--	**0.159**	**0.39**	**0.159**	--
47	गायत्री पुत्री भगऊ, दशरी बेवा भगऊ, गौरी, बृहस्पति, दूरपति, हरबाई, चंद्रेशी पुत्रियां फेकूलाल, झुना बाई बेवा फेकूलाल, सुकलाल, सुकुल, बजरहा, सुक्रीत, सुखनी, दुखनी पिता साधू, विनय पिता रामकृपाल, निकीता, नुतन पुत्रियां रामकृपाल, प्रेमाबाई बेवा रामकृपाल, कस्तुरी, कंचन, प्रेमलता, कल्पना पुत्रियां गोपाल, हीमामनी पिता महेतरा	912/1	असिंचित	0.057	0.14	0.057	--
		1149/1 में से	असिंचित	0.138	0.20	0.081	--
	योग	**2**	--	**0.195**	**0.34**	**0.138**	--
48	कृष्णा कुमार पिता कुंजबिहारी, नीरज कुमार पिता कृष्णा कुमार ब्राम्हण	917/1 में से	असिंचित	0.405	0.20	0.081	--
		1539	असिंचित	0.190	0.47	0.190	--
		1547	असिंचित	0.271	0.67	0.271	--
	योग	**3**	--	**0.866**	**1.34**	**0.542**	--
49	पंचराम पिता थुकेल गोंड़	918/1 में से	असिंचित	0.280	0.11	0.045	--
	योग	**1**	--	**0.280**	**0.11**	**0.045**	--
50	ललित, दिलीप कुमार, दिलेशर पिता हीरा सिंह गोंड़	918/2 में से	असिंचित	0.154	0.08	0.032	--
	योग	**1**	--	**0.154**	**0.08**	**0.032**	--
51	शशिकांत, श्रीकांत पिता धनसाय, प्रीति पुत्री धनसाय, जामीन बेवा धनसाय, धनुष, धनीराम पिता मंगल, मनमीत, सघन पिता जगन्नाथ, सावित्री सुमन, मनीषा, पुष्पा, चंद्रेशी उर्फ चंद्रिका, पिता जगन्नाथ, प्रमिला पिता रामखिलावन, धनकुंवर, जानकुंवर पिता मंगल	918/3 में से	असिंचित	0.202	0.07	0.028	--
	योग	**1**	--	**0.202**	**0.07**	**0.028**	--
52	अवधराम पिता थुकेल गोंड़	918/4 में से	असिंचित	0.279	0.35	0.140	--
	योग	**1**	--	**0.279**	**0.35**	**0.140**	--
53	संतोषी, चमेली पिता बिसहत, मोहित, लक्ष्मी पिता लल्लूराम, जगबाई पति बिसहत	1032	असिंचित	0.129	0.32	0.129	--
	योग	**1**	--	**0.129**	**0.32**	**0.129**	--
54	संतोष पिता बिसहत	1083/2	असिंचित	0.259	0.64	0.259	--
	योग	**1**	--	**0.259**	**0.64**	**0.259**	--
55	रामखिलावन पिता पकलू कलार	1033/1	असिंचित	0.113	0.28	0.113	--
	योग	**1**	--	**0.113**	**0.28**	**0.113**	--
56	लखनलाल पिता पकलू कलार	1033/2	असिंचित	0.113	0.28	0.113	--
		1126/2	असिंचित	0.227	0.56	0.227	--
	योग	**2**	--	**0.340**	**0.84**	**0.340**	--
57	राजकुमार पिता पकलू कलार	1033/3	असिंचित	0.114	0.28	0.114	--
		1126/3	असिंचित	0.210	0.52	0.210	--
	योग	**2**	--	**0.324**	**0.800**	**0.324**	--
58	सिया बाई पिता सुरूजदीन	1034/1	सिंचित	0.122	0.30	0.122	--
	योग	**1**	--	**0.122**	**0.30**	**0.122**	--
59	नूतन उर्फ श्यामा बाई पिता सुरूजदीन	1034/2	सिंचित	0.121	0.30	0.121	--
	योग	**1**	--	**0.121**	**0.30**	**0.121**	--
60	ना.बा. रूपेश कुमार मरावी पिता लक्ष्मण	1084/2	असिंचित	0.247	0.61	0.247	--
	योग	**1**	--	**0.247**	**0.61**	**0.247**	--
61	प्रहलाद मिश्रा पिता स्व. भुवन लाल मिश्रा	1063/1	असिंचित	0.243	0.60	0.243	--
		1091/1 1092/1-1093/1	असिंचित	0.465	1.15	0.465	--
	योग	**2**	--	**0.708**	**1.750**	**0.708**	--
62	कुशल प्रसाद मिश्रा पिता स्व. भुवन लाल मिश्रा	1063/2	असिंचित	0.243	0.60	0.243	--
		1092/2	असिंचित	0.465	1.15	0.465	--
	योग	**2**	--	**0.708**	**1.750**	**0.708**	--
63	जनकराम, सोनूराम, सिनीकराम, दुरूगराम, परमेश्वर, ईश्वर, ईशाराम, ईश्वरीलाल पिता जुगुतराम, रामकुमारी, जुगरी पु. जुगुतराम, खोरबहरीन पति जुगुतराम, जलेश्वर, हीरालाल, राजाराम, मालिकराम पिता मुकुतराम, कुंवरिया पति मुकुतराम यादव	1077 में से	असिंचित	0.829	1.52	0.615	--
		1079	असिंचित	0.344	0.85	0.344	--
		1299/2 में से	सिंचित	0.340	0.11	0.045	--
		1300 में से	सिंचित	0.503	0.69	0.279	--
		1312/1	सिंचित	0.308	0.76	0.308	--
		1540	असिंचित	0.093	0.23	0.093	--
	योग	**6**	--	**2.417**	**4.160**	**1.684**	--
64	नाहिदा परवीन बे. शेख इलाहीखान, शेख खुशबुद्दीन पिता शेक इलाही खान, मुन्ना खान आ. शेख दाऊद (मुसलमान)	1078	असिंचित	0.421	1.04	0.421	--
	योग	**1**	--	**0.421**	**1.04**	**0.421**	--
65	मन्नूराम, कैलाशाबाई, कलेशरी पिता रघुवर जवाहिर, जहरूल पिता भुनेश, करन पिता धरमू, बबली, प्रियंका पुत्रियां धरमू, सविता बेवा धरमू, संदीप, दीपक पिता पुनीत, आस बाई बेवा पुनीत, किरता पिता बुधेलाल, परनियाबाई पिता भुनेश, भुवन, जीवन, जियालाल, हिरउ, जीतराम, हिरन बाई पिता मलेच्छ	1080	असिंचित	0.547	1.35	0.547	--
	योग	**1**	--	**0.547**	**1.35**	**0.547**	--
66	छेदिनबाई पति भागवत (तेली)	1082	सिंचित	0.462	1.14	0.462	--
	योग	**1**	--	**0.462**	**1.14**	**0.462**	--
67	पुनू, भागवत, गौतम पुनीराम पिता जामुन, अमरसिंह पिता आजू, अमरनाथ पिता आजू, रामसती पुत्री आजू, सरस्वती पुत्री आजू, भागमती पुत्री जामुन, भाव सिंह पिता लोहिस, मंगलीन पिता महेत्तर, विश्वनाथ, परमेश्वर, विश्नीबाई, परमेश्वरी पिता रायसिंह, कलेस पिता जनक, महेश पिता जनक, विनोद पिजा जनक, रोशन पिता जनक, रम्भा बाई पुत्री जनक, दुकलहीन पति जनक, सुखदेव पिता अलख राम, प्रतिमा पुत्री अलख राम, सुखमनी पुत्री अलख राम, कदम बाई पति अलख राम, दुवासा पुत्री घनाराम, इन्द्राणी पुत्री घनाराम, रामअनुज पिता पुनीत, काजू पिता पुनीत, सरस्वती पुत्री पुनीत, सम्पत्ति पुत्री पुनीत	1084/1	असिंचित	0.247	0.61	0.247	--
	योग	**1**	--	**0.247**	**0.61**	**0.247**	--
68	कृष्णा आ. रामगरीव कलार	1086/1	असिंचित	0.288	0.71	0.288	--
		1096/2	असिंचित	0.065	0.16	0.065	--
	योग	**2**	--	**0.353**	**0.870**	**0.353**	
69	दिनेश आ. रामगरीब कलार	1086/2	असिंचित	0.287	0.71	0.287	--
		1096/3	असिंचित	0.069	0.17	0.069	--
	योग	**2**	--	**0.356**	**0.880**	**0.356**	--
70	चैतराम पिता कन्हैया लाल	1096/1	असिंचित	0.072	0.18	0.072	--
	योग	**1**	--	**0.072**	**0.18**	**0.072**	--
71	चन्द्रप्रकाश पिता कन्हैया लाल	1096/4	असिंचित	0.067	0.16	0.067	--
	योग	**1**	--	**0.067**	**0.16**	**0.067**	--
72	दशरथ पिता झाडूराम कलार	1097 में से	असिंचित	0.372	0.67	0.271	--
	योग	**1**	--	**0.372**	**0.67**	**0.271**	--
73	तुलाराम, श्रीचंद, शोभाराम, हीरामती पिता झगरराम	1099	असिंचित	0.182	0.45	0.182	--
		1119	असिंचित	0.512	1.26	0.512	--
	योग	**2**	--	**0.694**	**1.710**	**0.694**	--
74	पुनू, भागवत, गौतम पुनीराम पिता जामुन, अमरसिंह पिता आजू, अमरनाथ पिता आजू, रामसती पुत्री आजू, सरस्वती पुत्री आजू, भागमती पुत्री जामुन, भाव सिंह पिता लोहिस, मंगलीन पिता महेत्तर, कलेस पिता जनक, महेश पिता जनक, विनोद पिजा जनक, रोशन पिता जनक, रम्भा बाई पुत्री जनक, दुकलहीन पति जनक, सुखदेव पिता अलख राम, प्रतिमा पुत्री अलख राम, सुखमनी पुत्री अलख राम, कदम बाई पति अलख राम, दुवासा पुत्री घनाराम, इन्द्राणी पुत्री घनाराम, रामअनुज पिता पुनीत, काजू पिता पुनीत, सरस्वती पुत्री पुनीत, सम्पत्ति पुत्री पुनीत	1113	असिंचित	0.073	0.18	0.073	--
	योग	**1**	--	**0.073**	**0.18**	**0.073**	--
75	बिसम्भर पिता सुखीराम	1135/6 में से	असिंचित	0.097	0.05	0.020	--
	योग	**1**	--	**0.097**	**0.05**	**0.020**	--
76	विश्राम पिता ननकू	1136/1 में से	सिंचित	0.146	0.20	0.081	--
	योग	**1**	--	**0.146**	**0.20**	**0.081**	--
77	रूखमनी बाई पति जंतराम	1137-1138	सिंचित	0.678	1.67	0.678	--
	योग	**1**	--	**0.678**	**1.67**	**0.678**	--
78	बहोरन, बहोरिक पिता गनेश, पुनाबाई, झुनाबाई, अन्नपूर्णा बाई, शांति बाई, दुकालाबाई पुत्री गनेश	1141	असिंचित	0.506	1.25	0.506	--
	योग	**1**	--	**0.506**	**1.25**	**0.506**	--
79	कृष्ण कुमार पिता कलीराम केंवट	1142/1	असिंचित	0.179	0.44	0.179	--
	योग	**1**	--	**0.179**	**0.44**	**0.179**	--
80	अर्जुन पिता लतेल	1142/2	असिंचित	0.072	0.18	0.072	--
	योग	**1**	--	**0.072**	**0.18**	**0.072**	--
81	शशी कुमार शुक्ला पिता खेमराज	1143 में से	असिंचित	0.243	0.09	0.036	--
	योग	**1**	--	**0.243**	**0.09**	**0.036**	--
82	सूरज प्रताप, राहुल, शैलेष, स्वीती बंजारे, प्रीति पिता सुरेन्द्र कुमार	1145 में से	असिंचित	0.680	0.32	0.129	--
		1519 में से	असिंचित	0.129	0.14	0.057	--
	योग	**2**	--	**0.809**	**0.460**	**0.186**	--
83	विष्णु चतुर्वेदी पिता लखन चतुर्वेदी	1482 में से	असिंचित	0.304	0.50	0.2020	--
	योग	**1**	--	**0.304**	**0.50**	**0.2020**	--
84	संदीप मिश्रा पिता रामगोपाल मिश्रा	1148 में से	असिंचित	0.765	1.00	0.405	--
		1534/1	असिंचित	0.190	0.47	0.190	--
	योग	**2**	--	**0.955**	**1.47**	**0.595**	--
85	दुर्गेश, देवेश, प्रवेश पिता मनहरण, वर्षा पुत्री मनहरण कावेरी बेवा मनहरण	1151 में से	असिंचित	0.405	0.80	0.324	--
	योग	**1**	--	**0.405**	**0.80**	**0.324**	--
86	सूखेलाल आ. पंचराम	1171 में से	असिंचित	1.518	0.97	0.393	--
	योग	**1**	--	**1.518**	**0.97**	**0.393**	--
87	पुनाराम, नोहर सिंह पिता सुकुल, दीपक, दिलकुमार पिता मोहन लाल गोंड़	1172/1-1172/2-1172/3	असिंचित	0.474	1.17	0.474	--
		1298	असिंचित	0.360	0.89	0.360	--
		1469 में से	असिंचित	1.303	0.61	0.247	--
		1546	असिंचित	0.291	0.72	0.291	--
	योग	**4**	--	**2.428**	**3.38**	**1.372**	--
88	संतराम, जंतराम पिता दसरू, अनिल कुमार, अशोक कुमार, अनित कुमार, मनोज, करन, ललित, गणपती पिता हरप्रसाद, बेदराम पिता दसरू, शांति बाई पिता दसरू	1174/1	असिंचित	0.045	0.11	0.045	--
	योग	**1**	--	**0.045**	**0.11**	**0.045**	--
89	शिवकुमार, महेन्द्र पिता भागीरथी, शिवकुमारी, भुनेश्वरी, जलेश्वरी पिता भागीरथी, भगवंतीन बाई पति भागीरथी, भगवती, भानमती, भागमती, दुरपति, बृहस्पति पुत्री कातिक	1174/2	असिंचित	0.045	0.11	0.045	--
	योग	**1**	--	**0.045**	**0.11**	**0.045**	--
90	बोलन, प्रमिला, नगीना, नीरा, झूल बाई, केराबाई, पिता नत्थू, भुलऊ पिता ढेलऊ, कुंवरमति पिता ढेलऊ, नंदकुमार पिता जगत, खोरबहरा पिता ढेलऊ, रमेश कुमार, राजकुमार, शिवकुमार, पिता जगत, कली बाई, रामकली, पिता ढेलऊ	1174/3	असिंचित	0.045	0.11	0.045	--
	योग	**1**	--	**0.045**	**0.11**	**0.045**	--
91	रामसिंग आ. छेदी लाल	1174/4	असिंचित	0.045	0.11	0.045	--
	योग	**1**	--	**0.045**	**0.11**	**0.045**	--
92	बिहारी, कैलाश, रामबती, रामप्यारी, तिहार मति, बिंदा, दुखदैया, शैल पिता भगवान सिंह	1175 में से	असिंचित	0.352	0.75	0.304	--
		1176	असिंचित	0.445	1.10	0.445	--
		1180	असिंचित	0.231	0.57	0.231	--
		1317/2	असिंचित	0.636	1.57	0.636	--
		1342/1-1342/2	असिंचित	0.113	0.28	0.113	--
	योग	**6**	--	**1.777**	**4.27**	**1.729**	--
93	दशरथ, असरथ, आशाराम पिता बिरसिंह, मिलौतिन, लीलाबाई, उर्मिला, पील बाई, दसरीबाई पुत्रियां बिरसिंह, नरसिंह पिता झुकुराम	1177/1	असिंचित	0.085	0.21	0.085	--
	योग	**1**	--	**0.085**	**0.21**	**0.085**	--
94	नोहर पिता सुकुल, दीपक, दिलकुमार, दीपिका, अंजली पिता मोहन	1177/2	असिंचित	0.085	0.21	0.085	--
		1177/3	असिंचित	0.081	0.20	0.081	--
		1178/1	असिंचित	0.125	0.31	0.125	--
		1178/2	असिंचित	0.125	0.31	0.125	--
	योग	**4**	--	**0.416**	**1.030**	**1.416**	--
95	तीजन बाई पिता जगत, मन्नू, कैलाशा बाई, कलेशरी पिता रघुवर, भुवन, जीवन, जियालाल, जीतराम, हिरऊ, हिरन बाई पिता मलेश, जहरूल पिता भुनेश, करन, बबली, प्रियंका पिता धरमू, सविता पति धरमू, संदीप, दीपक पिता पुनीत, आसबाई पति पुनीत, किरता पिता बुधेलाल, पांचों बाई पिता रामाधीन, लतेल, फूलबासन पिता मनराखन, जवाहर पिता भुनेश	1182 में से	असिंचित	0.198	0.11	0.045	--
		1289 में से	असिंचित	0.284	0.35	0.142	--
		1337 में से	असिंचित	0.393	0.17	0.069	--
		1516 में से	असिंचित	0.166	0.14	0.057	--
	योग	**4**	--	**1.041**	**0.770**	**0.313**	--
96	भागमती पुत्री झंगलू	1183 में से	असिंचित	0.247	0.10	0.040	--
		1327	असिंचित	0.235	0.58	0.235	--
		1529/1 में से	असिंचित	0.474	0.42	0.174	--
	योग	**3**	--	**0.956**	**1.11**	**0.449**	--
97	जवाहर, जहरूल पिता भुनेश्वर, परनियाबाई पुत्री भुनेशर, बबली, करन, प्रियंका पिता धरमू, संदीप पिता पुनीत, सविता पति धरमू, दीपक पिता पुनीत, आसबाई पति पुनीत, किरता पिता बुधेलाल	1184 में से	असिंचित	0.202	0.05	0.020	--
	योग	**1**	--	**0.202**	**0.05**	**0.020**	--
98	बंशीलाल पिता रामप्रसाद	1187 में से	असिंचित	0.129	0.16	0.065	--
	योग	**1**	--	**0.129**	**0.16**	**0.065**	--
99	घनऊ, बनऊ, जनऊ पिता चमारराय, खुरगी, खोरी पुत्री चमारराय, सुखिया बे. चमारराय	1188/3 में से	असिंचित	0.178	0.24	0.097	--
		1188/4-1188/5 में से	असिंचित	0.441	0.23	0.093	--
		1296/1	असिंचित	0.077	0.19	0.077	--
		1472/1	असिंचित	0.388	0.96	0.388	--
		1532/1	असिंचित	0.129	0.32	0.129	--
	योग	**5**	--	**1.213**	**1.940**	**0.784**	--
100	कन्हाई कुमार पिता पंचूराम	1487/1 में से	असिंचित	0.259	0.20	0.081	--
	योग	**1**	--	**0.259**	**0.20**	**0.081**	--
101	अमरू पिता चैतु राम केंवट	1188/6 में से	असिंचित	0.176	0.29	0.117	--
	योग	**1**	--	**0.176**	**0.29**	**0.117**	--
102	सरोज कुमार पिता दाउ राम केंवट	1466	असिंचित	0.178	0.44	0.178	--
	योग	**1**	--	**0.178**	**0.44**	**0.178**	--
103	रामखेलावन पिता रंगबहादुर उर्फ कुलबुल, सुशीला पुत्री रंगबहादुर सतनामी	1244	असिंचित	0.579	1.43	0.579	--
		1395/1 में से	असिंचित	0.425	0.32	0.129	--
	योग	**2**	--	**0.004**	**1.750**	**0.708**	--
104	बिहारी, गिरधारी, बनवाली, ब्यासनारायण, सरिता, सुमित्रा पिता थुकेल	1246 में से	असिंचित	0.709	0.34	0.138	--
		1253 में से	असिंचित	0.514	0.61	0.247	--
		1419/3	असिंचित	0.020	0.05	0.020	--
	योग	**3**	--	**1.243**	**1.00**	**0.405**	--
105	रामीना बाई पिता गुहा, सरस्वती पिता गुहा, जयकुमार पिता मुन्ना, विजय पिता मुन्ना, चंद्रिका पिता मुन्ना, महेन्द्र कुमार पिता भुरवा, ममता पिता भुरवा, ना.बा. हिमेश पिता धर्मेन्द्र, चेतन पिता धर्मेन्द्र, चंचल पिता धर्मेन्द्र, महारानी पति धर्मेन्द्र ना.बा. बिट्टू पिता बसंत, नाबा. आरव पिता बरात, रमा पिता बसंत, राजबाई पति श्याम कुमार, ना.बा. सुजाता पिता श्याम कुमार, ना.बा. सजना पिता श्याम कुमार	1314-1315	असिंचित	0.332	0.82	0.332	--
		1419/1	असिंचित	0.020	0.05	0.020	--
	योग	**2**	--	**0.352**	**0.870**	**0.352**	--

समर्पित नक्सली छग के बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिलों के

तेलगांना में 1.46 करोड़ के ईनामी 41 नक्सलियों ने डाला हथियार

पड़ोसी राज्य तेलगांना के डीजीपी के समक्ष नक्सल संगठन में सक्रिय 41 नक्सलियों ने हथियार डालकर समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सलियों पर 1.46 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित था। इनमें 39 नक्सली बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा व बीजापुर जिले के निवासी है। समर्पण करने वाले नक्सलियों ने तेलगांना पुलिस के समक्ष 24 अत्याधुनिक हथियार भी सुपुर्द कर दिया। समर्पित नक्सली संगठन में अलग अलग कैडर में थे, जिन्होंने हिंसा का रास्ता त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। तेलगांना पुलिस के मुताबिक इन माओवादियों पर एक करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सभी ने पड़ोसी राज्य तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक के सामने 24 अत्याधुनिक हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले माओवादियों में कंपनी प्लाटून समिति के छह वरिष्ठ पदाधिकारियों के सदस्यों के अलावा मंडल समिति सदस्य रैंक (सीवाईपीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम) शामिल हैं। इन नक्सलियों ने तेलगांना पुलिस को जो 24 अत्याधुनिक हथियार सौंपे, इनमें एक इंसास एलएमजी, तीन एके-47 राइफल्स, पांच एसएलआर राइफल्स, सात इंसास राइफल्स, एक बीजीएल गन, चार 303 राइफलें, एक सिंगल शॉट राइफल, दो एयरगन समेत अन्य हथियार शामिल है। नक्सलियों के लगातार बड़ी संख्या में समर्पण से संगठन को को एक बार फिर झटका लगा

41 में से 39 बस्तर संभाग के

समर्पण करने वाले 41 नक्सलियों में 39 बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिले के रहने वाले है। तेलंगाना राज्य पुनर्वास नीति के अनुसार डीवीसीएम कैडर के नक्सलियों को 5 लाख रुपए मुआवजा, एसीएम को 4 लाख रुपए तथा पार्टी सदस्यों को 1 लाख रुपए मुआवजा घोषित किया गया है। इसके अलावा नगद प्रोत्साहन के अलावा सौंपे गए हथियार के अनुरूप घोषित प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया जाएगा। समर्पण के दौरान सभी समर्पित नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए अंतरिम सहायता राशि प्रदान किया गया।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल

तेलगांना में समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों में प्लाटून कमाण्डर मड़कम गंगा निवासी पामेड़ बीजापुर के अलावा पीपीसीएम ताती गंगा, कलमु ओयम जोगा, कुंजाम देवा उर्फ दिलीप, कोवासी गंगी, पूनम मड़कम जोगी, मड़कम सोनी उर्फ नंदिनी, डोडी रामे, परसम संतोष, योगेश, वेट्टी मांगी, मड़कम सोमा उर्फ रघु, सोड़ी, पूनम उर्फ राधिका, हेमा, मंगू, पुनेम उर्फ महेश, वंजाम लिंगा उर्फ राजू, ओयाम मंगू उर्फ मासा, कोरसा उर्फ राजू, मड़कम, मड़कम देवा, मुसक्का अडुमे, मदकम जोगा उर्फ सोरू, पूनम सोनी उर्फ राधा, माड़वी जोगी उर्फ रामू, ताती मोती, मड़कम भीमे, देवे, पोडियाम हिड़मे उर्फ विमला, देवे, मासो उर्फ तेजा, माडवी जोगा, माड़वी उरे उर्फ रोशनी, कोवासी, मड़कम सानिया तथा पोड़ियाम फगनु शामिल है।

हेल्थ प्लस

शादी के 22 साल बाद बने माता-पिता : माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

बिलासपुर। अग्रसेन चौक स्थित माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर उन दंपतियों के लिए एक नई उम्मीद बन रहा है जो वर्षों से संतान सुख से वंचित थे। आधुनिक तकनीक और चिकित्सीय कुशलता के लिए प्रसिद्ध यह केंद्र कई निःसंतान दंपतियों को माता-पिता बनने का सुख प्रदान कर चुका है। यहां मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ उचित परामर्श भी मिलता है, जिससे कई जटिल मामलों में भी सफलता हासिल हुई है। एक दंपति को शादी के 22 साल के बाद माता-पिता बनने का सपना साकार हुआ। शादी के 22 सालों के बाद माता-पिता बनकर दंपति बहुत खुश हैं। संतान प्राप्ति के लिए उन्होंने हर जगह इलाज कराया लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने बिलासपुर के माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में अपना इलाज चालू कराया । यहां पर डॉक्टर ने पूरी जांच करने के बाद उन्हें हिस्ट्रोस्कोपी से बच्चेदानी की जांच कराने की सलाह दी। हिस्ट्रोस्कोपी होने के 1 महीने बाद उन्होंने वहीं से आईवीएफ कराया। दंपति का आईवीएफ सफल रहा और उनको संतान की प्राप्ति हुई। शादी के 22 साल बाद मिली इस बड़ी खुशी को पाकर दंपति बहुत खुश हैं। उन्होंने डॉक्टर प्रतिभा माखीजा एवं उनके स्टाफ का धन्यवाद किया । डॉक्टर प्रतिभा माखीजा के अनुसार आईवीएफ असफल होने के अलावा महिलाओं में बांझपन की मुख्य वजह बच्चेदानी में गांठ, बच्चेदानी में दीवार, बच्चेदानी में टीबी होना, महिला या पुरूष का अधिक उम्र होना, ट्यूब का बंद होना, पुरुष के वीर्य में शुक्राणुओं की मात्रा कम होना या निल होना, बार-बार गर्भपात होना, महिला के अंडाशय में अंडों का न बनना या अंडाशय में कोई सिस्ट होना या पानी भरा होना आदि होता है। बांझपन की इन सभी समस्याओं से सही परामर्श, जांच व इलाज एवं सही आईवीएफ सेंटर का चुनाव करके छुटकारा पाया जा सकता है । अधिक जानकारी के लिए 8085758585 पर फोन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पं. सुंदरलाल शर्मा की जयंती पर सीएम ने किया याद

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात साहित्यकार एवं महान समाज सुधारक पं. सुंदरलाल शर्मा की 21 दिसंबर को जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पं. सुंदरलाल शर्मा जी छत्तीसगढ़ की माटी से जुड़े ऐसे युगदृष्टा महापुरुष थे, जिन्होंने किसानों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। सामाजिक सुधार के क्षेत्र में भी उनका योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने अंधविश्वास, छुआछूत, सामाजिक रूढ़ियों और कुरीतियों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष करते हुए समाज को समानता, सद्भाव और मानवता के पथ पर आगे बढ़ाया। उनके साहित्य, विचार और कर्म ने जनमानस में जागरण और आत्मसम्मान की चेतना का संचार किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पं. सुंदरलाल शर्मा का संपूर्ण जीवन सत्य, साहस और सेवा के मूल्यों का जीवंत उदाहरण है। देश की स्वतंत्रता तथा छत्तीसगढ़ के सामाजिक-सांस्कृतिक उत्थान में उनका योगदान सदैव स्मरणीय और प्रेरणादायी रहेगा।

समाज कल्याण संचालनालय
समाज कल्याण परिसर,
माना कैम्प, रायपुर छत्तीसगढ़

विज्ञापन

File No.: WELF/302/2025-DIRECTORATE OF SOCIAL WELFARE SECTION /1637 रायपुर /दिनांक 19/12/2025

छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर के आदेश क्रमांक एफ-2-22/2024/26, दिनांक 05.11.2024 द्वारा राज्य आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय हेतु स्वतंत्र राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, छत्तीसगढ़ का 01 पद वेतन लेवल-15 (182200-224100) में स्वीकृत किया गया है। **राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, छत्तीसगढ़ के 01 पद** की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। **यह पद प्रमुख सचिव, छ.ग. शासन स्तर का पद है** तथा राज्य आयुक्त दिव्यांगजन का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, छत्तीसगढ़ पद के लिए आवश्यक अर्हताएं एवं अनुभव आदि तथा आवेदन पत्र का प्रारूप **विभागीय लिंक www.sw.cg.nic.in/scpd-vacancy-notification.pdf** पर देखी जा सकती हैं, अथवा समाज कल्याण संचालनालय, समाज कल्याण परिसर, माना कैम्प, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्राप्त किया जा सकता है।

आवेदन पत्र संचालक, समाज कल्याण संचालनालय, समाज कल्याण परिसर, माना कैम्प, रायपुर पिन कोड 492015 छत्तीसगढ़ के नाम से केवल पंजीकृत डाक / कूरियर के माध्यम से भेजे जा सकते हैं। आवेदन प्रस्तुत करने की नियत तिथि 22 दिसम्बर 2025 से 05 जनवरी 2026 तक है। अंतिम तिथि/ निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

संचालक
समाज कल्याण संचालनालय
छत्तीसगढ़, रायपुर

जी. 252605606/3

(पिछले पृष्ठ का शेष)

क्र.	कृषक का नाम	खसरा नम्बर	पिछली उगाई गई फसल	धारित रकबा (हे.)	प्रभावित रकबा एकड़/हे. में		
					एकड़	हे.	वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
106	राजकुमार, शिवकुमार, शत्रुहन, मनोहर पिता कोंदा,जेठिया मुन्नी पिता कोंदा, फुटनबाई बे. कोंदा	1247 में से	असिंचित	1.023	0.38	0.154	--
		1521 में से	असिंचित	1.125	0.17	0.069	--
	योग	**2**	**--**	**2.148**	**0.550**	**0.223**	**--**
107	बाजेराम पिता दयाराम	1255 में से	असिंचित	0.615	1.00	0.405	--
		1522	असिंचित	0.198	0.49	0.198	--
		1523	असिंचित	0.154	0.38	0.154	--
	योग	**3**	**--**	**0.967**	**0.187**	**0.757**	**--**
108	लखन, माखन, सखाराम पिता पंचराम	1259/2 में से	असिंचित	0.125	0.15	0.061	--
	योग	**1**	**--**	**0.125**	**0.15**	**0.061**	**--**
109	साधराम पिता बिरझूराम	1259/3 में से	असिंचित	0.134	0.15	0.061	--
		1259/4 में से	असिंचित	0.251	0.15	0.061	--
	योग	**2**	**--**	**0.385**	**0.30**	**0.122**	**--**
110	रामफल पिता खोरूराम	1254/1 में से	असिंचित	0.105	0.10	0.040	--
		1330/1 में से	असिंचित	0.077	0.10	0.040	--
	योग	**2**	**--**	**0.182**	**0.20**	**0.80**	**--**
111	भास्कर प्रसाद साहू, हरप्रसाद साहू, गणपती बाई साहू, ललिता बाई, सुनीता साहू, भगवती साहू पिता रामकिशुन	1254/4 में से	असिंचित	0.109	0.11	0.045	--
		1330/8 में से	असिंचित	0.077	0.19	0.077	--
	योग	**2**	**--**	**0.086**	**0.30**	**0.122**	**--**
112	रामदयाल शामलाल, शमलु, पिता बिरू	1257/2 में से	असिंचित	0.555	0.78	0.316	--
		1293	असिंचित	0.154	0.38	0.154	--
		1472/4	असिंचित	0.384	0.95	0.384	--
	योग	**3**	**--**	**1.093**	**2.11**	**0.854**	**--**
113	जनकराम पिता सालिकराम साहू	1254/3 में से	सिंचित	0.150	0.10	0.040	--
		1258/1 में से	सिंचित	0.397	0.80	0.324	--
		1258/2 में से	सिंचित	0.397	0.80	0.324	--
		1259/1 में से	सिंचित	0.125	0.15	0.061	--
		1288 में से	सिंचित	0.713	0.83	0.336	--
	योग	**5**	**--**	**1.782**	**2.68**	**1.085**	**--**
114	खेलऊराम पिता सालिकराम साहू	1254/2 में से	असिंचित	0.109	0.10	0.040	--
	योग	**1**	**--**	**0.109**	**0.10**	**0.040**	**--**
115	लालजी पिता मंतराम, जंतराम, शांति बाई पिता थनवार, तुलवा, भारत, सुशीला पिता शोभाराम, निरतू पिता भकला, बलराम पिता फिरतू, बिराजो बाई, पिता फिरतू, लक्ष्मण, ललित पिता मंतराम, भैयालाल पिता थनवार, रामायण बाई पिता मंतराम, मुन्नी पिता लक्ष्मण, रामशिला बाई पिता मंतराम, दुखनी बाई पति मंतराम, ललिता पिता मंतराम, राजू, राकेश पिता दशरू, गंगा राम, पिता फिरतू, द्रोपती पिता दशरू, फिरंतीन बाई पिता मंतराम, दुखीया बाई पिता फिरतू	1285	असिंचित	0.356	0.88	0.356	--
		1406/1 में से	असिंचित	0.749	0.10	0.040	--
		1258	असिंचित	0.356	0.88	0.356	--
	योग	**3**	**--**	**1.461**	**1.86**	**0.752**	**--**
116	बसंत कुमार पिता त्रिलोचन प्रसाद	1286 में से	असिंचित	0.510	0.10	0.040	--
	योग	**1**	**--**	**0.510**	**0.10**	**0.040**	**--**
117	शत्रुहन पिता मिलन	1294	असिंचित	0.206	0.51	0.206	--
	योग	**1**	**--**	**0.206**	**0.51**	**0.206**	**--**
118	मन्नू, मनहरण पिता पकलू	1295	असिंचित	0.344	0.85	0.344	--
	योग	**1**	**--**	**0.344**	**0.85**	**0.344**	**--**
119	रनियाबाई पुत्री चमरू, ना.बा. सोनिया, सोनू अगनी पिता चमरू, ना.बा. वली मां इलगनीबाई पति चमरू केंवट	1296/3	असिंचित	0.077	0.19	0.077	--
		1472/3	असिंचित	0.388	0.96	0.388	--
		1532/3	असिंचित	0.259	0.64	0.259	--
		1555	असिंचित	0.312	0.77	0.312	--
	योग	**4**	**--**	**1.036**	**2.56**	**1.086**	**--**
120	दुवासाबाई पुत्री हीरा गोंड़	1297 में से	असिंचित	0.660	1.04	0.425	--
		1328	असिंचित	0.235	0.58	0.235	--
		1417	असिंचित	0.146	0.36	0.146	--
	योग	**3**	**--**	**1.041**	**1.98**	**0.806**	**--**
121	धजामती पिता घुरउ, बरतनीन बाई पिता घुरउ, कौशिल्या बाई पिता घुरउ, मुन्नी बाई पिता घुरउ, रामशिला उर्फ रूही पिता घुरऊ, जीवराखन पिता धजूराम, जीतराम पिता धजूराम, मनराखन पिता धजूराम, माकन उर्फ छोटकू पिता धजूराम, जमुना प्रसाद पिता अवधराम, उमाबाई पुत्री अवधराम, दुर्गा कुमारी पुत्री अवधराम, बिशनबाई उर्फ गंगाबाई पुत्री अवधराम, शांति बाई पति अवधराम, रामकिशन पिता कुंवर सिंह, नहेतरीन बाई पुत्री कुंवर सिंह, चंपा बाई कुंवर सिंह, कृष्णा बाई पुत्री कुंवर सिंह, अम्मा बाई पुत्री कुंवर सिंह, सातो बाई पुत्री कुंवर सिंह, नर्मदा बाई पुत्री कुंवर, ईश्वर बाई पुत्री सीताराम, अन्नू पिता सीताराम, मनोज पिता सीताराम, विनोद पिता सीताराम, मांझीराम पिता सदाबृज, गांधीराम पिता सदाबृज, तितरी बाई पुत्री सदाबृज निराशाबाई पिता हीरासिंह	1425 में से	असिंचित	0.502	0.24	0.097	--
	योग	**1**	**--**	**0.502**	**0.24**	**0.097**	**--**
122	जलेश्वर, हीरालाल, राजाराम, मालिकराम पिता मुकुतराम, शिवकुमारी पति मुकुतराम, दुरपतबाई, रानीबाई पिता मुकुतराम कुंवरिया पति मुकुतराम	1299/1 में से	असिंचित	0.441	1.09	0.441	--
	योग	**1**	**--**	**0.441**	**1.09**	**0.441**	**--**
123	जंतराम पिता पूरन	1333/1 में से	सिंचित	0.591	0.35	0.142	--
		1342/2	असिंचित	0.024	0.06	0.024	--
		1518 में से	असिंचित	0.134	0.18	0.073	--
	योग	**3**	**--**	**0.749**	**0.590**	**0.239**	**--**
124	ना.बा. जिगर, आयुष, लोकेश, लक्ष्मी पिता भट्ठे लाल, दुलौरिन पति भट्ठे लाल, उर्मिला, नीरा, जीरा पिता फिरंता, घसनीन पति फिरंता, फिरंतीन पिता तुलसी, बुधवारी, शिवबालक, बालक यादव, निर्मला, ममता, लता, खेलन पिता जगन्नाथ, जगदीश, बद्री प्रसाद, जोड़धा पिता मोहित, शत्रुहन, बुदु, मालती पिता मुंशी, गंगोत्री, गोदावरी, त्रिवेणी पिता मोहित	1312/2 में से	असिंचित	0.308	0.07	0.028	--
		1538	असिंचित	0.089	0.22	0.089	--
	योग	**2**	**--**	**0.397**	**0.29**	**0.117**	**--**
125	जेठू, सोनदास पिता रामा	1301/2 में से	असिंचित	0.170	0.20	0.081	--
	योग	**1**	**--**	**0.170**	**0.20**	**0.081**	**--**
126	नरसिंह पिता झुकू यादव	1316	असिंचित	0.210	0.52	0.210	--
		1332/1	असिंचित	0.210	0.52	0.210	--
	योग	**2**	**--**	**0.420**	**1.04**	**0.420**	**--**
127	राजकुमार गेंदले पिता परदेशी	1318	असिंचित	0.267	0.66	0.267	--
	योग	**1**	**--**	**0.267**	**0.66**	**0.267**	**--**
128	मोहन लाल पिता सुखदास	1319/1 में से	सिंचित	0.672	1.10	0.445	--
		1332/2	असिंचित	0.231	0.57	0.231	--
		1343/1	असिंचित	0.154	0.38	0.154	--
		1347/1	असिंचित	0.077	0.19	0.077	--
	योग	**4**	**--**	**1.134**	**2.24**	**0.907**	**--**
129	नरबदिया बाई पति रामखिलावन	1319/2	असिंचित	0.231	0.57	0.231	--
	योग	**1**	**--**	**0.231**	**0.57**	**0.231**	**--**
130	रायसिंह आत्मज सुकाल केंवट	1324/1 में से	असिंचित	0.405	0.34	0.137	--
	योग	**1**	**--**	**0.405**	**0.34**	**0.137**	**--**
131	धजा, धज्जू, अमर सिंह, राजमती पिता नजर सिंह केंवट, फगनी बाई पति नजर सिंह केंवट	1325/1	असिंचित	0.202	0.50	0.202	--
		1563/1	असिंचित	0.458	1.13	0.458	--
		1553/3 में से	असिंचित	0.364	0.86	0.348	--
	योग	**3**	**--**	**1.024**	**2.49**	**1.008**	**--**
132	जल बाई पिता झंगलू, जान कुंवर पिता झंगलू, पुरशन पति झंगलू	1483 में से	असिंचित	0.652	0.85	0.344	--
		1553/1 में से	असिंचित	0.364	0.04	0.016	--
	योग	**2**	**--**	**1.016**	**0.89**	**0.360**	**--**
133	कंगलू पिता खोरबाहरा निषाद	1553/2 में से	असिंचित	0.364	0.15	0.061	--
		1325/2	असिंचित	0.206	0.51	0.206	--
		1563/2	असिंचित	0.454	1.12	0.454	--
	योग	**3**	**--**	**1.024**	**1.78**	**0.721**	**--**
134	जोहन आ. सुखदास सतनामी	1341	असिंचित	0.117	0.29	0.117	--
		1343/3	असिंचित	0.263	0.65	0.263	--
		1347/2	असिंचित	0.227	0.56	0.227	--
	योग	**3**	**--**	**0.607**	**1.50**	**0.607**	**--**
135	सीताराम, अजित राम, बिचित राम, विश्राम, विष्णु, गांधी, चार बाई, पंचकुंवर, श्याम कुंवर पिता सुरित राम	1349/2	असिंचित	0.117	0.29	0.117	--
	योग	**1**	**--**	**0.117**	**0.29**	**0.117**	**--**
136	हरदेव, रामनारायण, रामस्वरूप पिता तिजराम, रामबाई, सहोद्रा पुत्री जितराम केंवट	1349/3	असिंचित	0.117	0.29	0.117	--
	योग	**1**	**--**	**0.117**	**0.29**	**0.117**	**--**
137	तीरथ राम पिता दयाराम	1351	असिंचित	0.320	0.79	0.320	--
	योग	**1**	**--**	**0.320**	**0.79**	**0.320**	**--**
138	जकला पिता जिवराखन	1331/1 में से	असिंचित	0.506	0.52	0.210	--
	योग	**1**	**--**	**0.506**	**0.52**	**0.210**	**--**
139	संजय खाण्डे पिता रामखिलावन, दीपक पिता रंजीत खांडे, दिव्या पिता रंजीत खांडे, सावित्री खाण्डे पति रंजीत खाण्डे, सुरजीत खाण्डे पिता रामखिलावन, हरजीत खाण्डे पिता रामखिलावन, हरेन्द्र खाण्डे पिता रामखिलावन, कमला बघेल, पिता रामखिलावन, नर्मदिया बाई पति रामखिलावन, महेशिया बाई पति रामखिलावन	1333/2 में से	सिंचित	1.133	0.70	0.283	--
		1333/3 में से	सिंचित	0.594	0.70	0.283	--
		1342/3	असिंचित	0.020	0.05	0.020	--
	योग	**3**	**--**	**1.747**	**1.54**	**0.586**	**--**
140	हिसाराम, गांधी, महादेव, रामहिन बाई, महंती, राजीम बाई, रम्मा पिता करन सिंह, पांचोबाई पति करण सिंह	1336 में से	असिंचित	0.749	1.74	0.704	--
		1535/1 में से	असिंचित	0.093	0.23	0.093	--
	योग	**2**	**--**	**0.842**	**1.970**	**0.797**	**--**
141	बलवंत सिंह पिता संतराम, सुरेन्द्र, अमित कुमार, कोमल, संगीता पिता बालाराम, प्रेम बाई बेवा बालाराम, बलदाउ, पुनाराम, पुनवा, अमरिका, झुनिया, झुल बाई पिता संतराम, दुवासा बाई बेवा संतराम	1338/1 में से	असिंचित	0.575	0.32	0.129	--
		1409/1	असिंचित	0.190	0.47	0.190	--
		1421/1 में से	असिंचित	0.235	0.25	0.101	--
	योग	**3**	**--**	**1.000**	**1.04**	**0.420**	**--**
142	पांचो बाई पति करनसिंह केंवट	1339 में से	असिंचित	0.745	0.40	0.162	--
	योग	**1**	**--**	**0.745**	**0.40**	**0.162**	**--**
143	नथेल पिता बगस, जीराबाई पुत्री बगस यादव	1419/2	असिंचित	0.049	0.12	0.049	--
	योग	**1**	**--**	**0.049**	**0.12**	**0.049**	**--**
144	ताराचंद पिता रंगबहादुर कौशिल्या पुत्री रंगबहादुर	1320	सिंचित	0.729	1.80	0.729	--
		1427 में से	असिंचित	0.194	0.20	0.081	--
		1428/1 में से	असिंचित	0.271	0.55	0.223	--
	योग	**3**	**--**	**1.194**	**2.55**	**1.033**	**--**
145	निलेश चतुर्वेदी, गुरवंत चतुर्वेदी पिता माखन चतुर्वेदी	1430 में से	असिंचित	0.308	0.26	0.113	--
	योग	**1**	**--**	**0.308**	**0.26**	**0.113**	**--**
146	पुसईया, पुसन पिता चमार राय, राजन बाई पति चमार राय	1431 में से	असिंचित	0.251	0.18	0.073	--
	योग	**1**	**--**	**0.251**	**0.18**	**0.073**	**--**
147	मुन्नी बाई पति बेदराम सा. मेढ़पार	1499 में से	असिंचित	0.255	0.15	0.061	--
	योग	**1**	**--**	**0.255**	**0.15**	**0.061**	**--**
148	शिवदयाल, शिवप्रसाद, देवप्रसाद, सुशील बाई पिता बीरबल, गौतरहिन पति बीरबल	1472/2	असिंचित	0.388	0.96	0.388	--
	योग	**1**	**--**	**0.388**	**0.96**	**0.388**	**--**
149	नारायण, सोनसाय, नकुल, गोकुल पिता रामप्रसाद, उपासाबाई, भगवती बाई पुत्री रामप्रसाद गोंड़, श्यामाबाई पति रामप्रसाद, फूलकुंवर पिता थनसिंह, रामकली, चंद्रकली, चंद्रकुंवर पुत्री धनसिंह गोंड़	1478	असिंचित	0.049	0.12	0.049	--
		1484/2 में से	असिंचित	0.437	0.54	0.218	--
	योग	**2**	**--**	**0.486**	**0.66**	**0.267**	**--**
150	छेदीलाल पिता त्रिलोचन, कंचनबाई पुत्री त्रिलोचन, फूलबाई बेवा त्रिलोचन	1464	सिंचित	0.121	0.30	0.121	--
	योग	**1**	**--**	**0.121**	**0.30**	**0.121**	**--**
151	मिलन, संतू पिता फूलसिंह मिलापा पुत्री फूलसिंह, नरसिंह पिता झुकू यादव	1468	असिंचित	0.186	0.46	0.186	--
	योग	**1**	**--**	**0.186**	**0.46**	**0.186**	**--**
152	राजिम यादव पति श्री उदल यादव	1571/1	असिंचित	0.255	0.63	0.255	--
	योग	**1**	**--**	**0.255**	**0.63**	**0.255**	**--**
153	तुलवा, भरत आ. शोभाराम, सुशीला पति शोभाराम, निरतु, सुभौतिन पिता भकला, बलराम, गंगाराम पिता फिरतू, बिराजो, दुखिया पिता फिरतू केंवट	1471/2	असिंचित	0.405	1.00	0.405	--
	योग	**1**	**--**	**0.405**	**1.00**	**0.405**	**--**
154	आत्माराम पिता कंगलू, रामनाथ पिता कंगलू केंवट	1479-1480	असिंचित	0.202	0.50	0.202	--
	योग	**1**	**--**	**0.202**	**0.50**	**0.202**	**--**
155	श्यामदास पिता चेतन	1529/2 में से	असिंचित	0.405	0.43	0.174	--
	योग	**1**	**--**	**0.405**	**0.43**	**0.174**	**--**
156	आजूराम पिता बुद्धू सतनामी	1486 में से	असिंचित	0.615	0.44	0.178	--
	योग	**1**	**--**	**0.615**	**0.44**	**0.178**	**--**
157	सीताराम पिता सुरित केंवट	1485/2 में से	असिंचित	0.433	0.42	0.170	--
	योग	**1**	**--**	**0.433**	**0.42**	**0.170**	**--**
158	धानू पिता मुंजनू पुरईन, सुकलहीन, सोनारिन पुत्री मुंजनू केंवट	1524	असिंचित	0.231	0.57	0.231	--
	योग	**1**	**--**	**0.231**	**0.57**	**0.231**	**--**
159	जकला पिता जिवराखन सतनामी	1525/3 में से	असिंचित	0.405	0.57	0.231	--
		1565/2	असिंचित	0.239	0.59	0.239	--
	योग	**2**	**--**	**0.644**	**1.16**	**0.470**	**--**
160	मनीराम, संजय कुमार, गुनीत कुमार पिता जुलाराम, संतोषी, सरस्वती, बृहस्पति, सुनीता पुत्री जुलाराम, भूलिन वे. जुलाराम गोंड़	1530 में से	असिंचित	0.983	0.90	0.364	--
	योग	**1**	**--**	**0.983**	**0.90**	**0.364**	**--**
161	कीर्ति, माधुरी, मंजुला, मीनाक्षी पुत्री लखनलाल, देवकी बाई वे. लखनलाल ब्राम्हण	1531/2	असिंचित	0.093	0.23	0.093	--
	योग	**1**	**--**	**0.093**	**0.23**	**0.093**	**--**
162	कृष्णा कुमार आ. कुंजबिहारी ब्राम्हण	1531/3	असिंचित	0.089	0.22	0.089	--
	योग	**1**	**--**	**0.089**	**0.22**	**0.089**	**--**
163	भरत कुमार आ. कुंजबिहारी ब्राम्हण	1531/4	असिंचित	0.093	0.23	0.093	--
	योग	**1**	**--**	**0.093**	**0.23**	**0.093**	**--**
164	सुनती बाई पिता चैतराम, सिलऊ, भुलऊ, श्रीराम, शिवकुमारी, ईश्वरी पिता खेलुराम, जानकी बाई, श्याम बाई पुत्री चैतराम	1532/2	असिंचित	0.388	0.96	0.388	--
	योग	**1**	**--**	**0.388**	**0.96**	**0.388**	**--**
165	शिवबालक पिता सूरजभान, केशव, केशरी पिता प्रेमलाल, मोतीलाल, उर्मिला पिता सूरजभान, पुष्प कुमार, पुष्पा पिता सुखु, रमिला पिता सूरजभान	1533/1 में से	असिंचित	1.028	1.40	0.567	--
		1535/2	असिंचित	0.093	0.23	0.093	--
		1349/1	असिंचित	0.118	0.29	0.118	--
	योग	**3**	**--**	**1.239**	**1.920**	**0.778**	**--**
166	लालजी, लक्ष्मण, ललित पिता मंतराम, फिरंतीन बाई, रमशीलाबाई, ललिता पुत्री मंतराम दुखनीबाई पति मंतराम, जंतराम पिता थनवार, भैयालाल पिता थनवार, मुन्नी बाई पिता लक्ष्मण, शांतिबाई पिता थनवार, ताजू, राकेश, द्रोपती पिता दशरू, रामायण बाई पिता मन्तराम	1533/2 में से	असिंचित	0.713	1.40	0.567	--
	योग	**1**	**--**	**0.713**	**1.40**	**0.567**	**--**
167	ओंकार प्रसाद, अम्बिकाप्रसाद पिता विष्णु प्रसाद ब्राम्हण	1534/2 में से	असिंचित	0.368	0.91	0.368	--
	योग	**1**	**--**	**0.368**	**0.91**	**0.368**	**--**
168	प्रफुल्ल कुमार पिता केशो प्रसाद ब्राम्हण	1534/3 में से	असिंचित	0.190	0.47	0.190	--
	योग	**1**	**--**	**0.190**	**0.47**	**0.190**	**--**
169	शिवबालक पिता सूरजभान केंवट	1535/3	असिंचित	0.186	0.46	0.186	--
	योग	**1**	**--**	**0.186**	**0.46**	**0.186**	**--**
170	ढेलऊ पिता सुखीराम सतनामी	1536	असिंचित	0.194	0.48	0.194	--
		1537	असिंचित	0.206	0.51	0.206	--
	योग	**2**	**--**	**0.400**	**0.99**	**0.400**	**--**
171	चंद्रकुंवर पति कंगलू, फगनीबाई बेवा नजरसिंह केंवट	1554/2	असिंचित	0.405	1.00	0.405	--
	योग	**1**	**--**	**0.405**	**1.00**	**0.405**	**--**
172	भगत सिंह ध्रुव, देवराज ध्रुव पिता मनीराम ध्रुव, राजो बाई पति मनीराम ध्रुव	1561-1562/1	असिंचित	0.271	0.67	0.271	--
	योग	**1**	**--**	**0.271**	**0.67**	**0.271**	**--**
173	पटवारी पिता ररूहा गोंड़	1565/1	असिंचित	0.239	0.59	0.239	--
		1569	असिंचित	0.036	0.09	0.036	--
	योग	**2**	**--**	**0.275**	**0.680**	**0.275**	**--**
174	संतू पिता फूलसिंह	1571/2	असिंचित	0.445	1.10	0.445	--
	योग	**1**	**--**	**0.445**	**1.10**	**0.445**	**--**
175	कंगला पिता खोरबाहरा	1556	असिंचित	0.138	0.34	0.138	--
		1557	असिंचित	0.142	0.35	0.142	--
	योग	**2**	**--**	**0.280**	**0.69**	**0.280**	**--**
	महायोग	**282**	**--**	**86.58**	**143.17**	**57.959**	**--**

(कलेक्टर द्वारा अनुमोदित)
(श्रीमती रेखा चंद्रा)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी पथरिया जिला- मुंगेली (छ.ग.)

जी. 252605553/1

प्रथम पृष्ठ का शेष

कांकेर में इसाईयों...

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने के बाद इसी साल लगाया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने अपने सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने की रक्षा का हवाला देते हुए यह निर्णय लिया। इसके बाद देखते ही देखते आसपास के गांवों ने भी इसी राह पर चलना शुरू कर दिया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले होर्डिंग को मामले में बड़ा फैसला नवंबर 2025 में दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि यह होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण को रोकने के लिए लगाए गए थे और इन्हें असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित ग्राम सभाओं ने ये होर्डिंग स्थानीय जनजातियों और सांस्कृतिक विरासत के हितों की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में लगाए हैं। इसके बाद से अब बोर्ड लगाने की संख्या बढ़ती जा रही है।

सुरक्षा सुनिश्चित करने...

से मिले आंकड़ों के अनुसार कांगेर घाटी में छह महीनों में 37 हजार 782 पर्यटक पहुंचे। वहीं 5 वर्षों में सबसे अधिक 4 लाख 56 हजार 832 पर्यटक पहुंचे हैं, जिनमें देशी, विदेशी पर्यटक शामिल हैं।

ऐसी नफरत, सक्ती...

आर्थिक मुआवजा देने और शव को सम्मानपूर्वक उसके गृह ग्राम तक पहुंचाने की मांग की है। बताया जा रहा है कि परिजन घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने राज्य और केंद्र सरकार से मामले में हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है।

मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान-

इस घटना पर राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। आयोग ने पलक्कड़ जिला पुलिस प्रमुख से 3 सप्ताह के भीतर डिटेल में रिपोर्ट मांगी है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पांच आरोपी गिरफ्तार-

बवाल के बीच वालैयार पुलिस ने 18 दिसंबर को वारदात में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें मुरली, प्रसाद, अनु, बिपिन और आनंदन शामिल हैं। ये सभी अट्टापल्लम गांव के निवासी हैं। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि राम नारायण का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था।

राजधानी एक्सप्रेस ने...

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने वन विभाग को विस्तृत जांच करने और वन्यजीव गलियारों को सुरक्षित करने का निर्देश दिया है, जबकि कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दुर्घटना के लिए वर्तमान सरकार के तहत अनियोजित और खराब तरीके से विनियमित विकास" को जिम्मेदार ठहराया है। इस दुर्घटना के बाद कई ट्रेन को रद्द कर दिया गया है, कुछ ट्रेन को विभिन्न स्थानों पर रोका गया या उनकी सेवा को यात्रा गंतव्य से पहले ही समाप्त घोषित कर दिया गया। नगांव के संभागीय वन अधिकारी सुहाश कदम ने बताया कि यह घटना चांगजुराई गांव में हुई और संभवतः क्षेत्र में भारी कोहरे के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा, मृत सातों हाथियों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और घायल हाथी का इलाज स्थानीय पशु चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है।

कहां हुआ हादसा-

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के मुख्य प्रवक्ता कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि यह दुर्घटना लामडिंग मंडल के अंतर्गत जमुनामुख-कामपुर खंड में हुई। यह क्षेत्र गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्घटना उस स्थान पर हुई जो हाथियों के लिए निर्धारित गलियारा नहीं है। हाथियों के झुंड को देखकर ट्रेन चालक ने आपातकालीन ब्रेक लगाए। फिर भी, हाथी ट्रेन की चपेट में गए।

नौ ट्रेनें रद्द...

डिगारू-मरियानी के बीच रद्द रहेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 15770 (मरियानी-अलीपुरद्वार) डिगारू से ही अपनी यात्रा शुरू करेगी।जिन रेलगाड़ियों को विभिन्न स्थानों पर रोका गया है उनमें सियालदह-सबरूम कंचनजंगा एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस और न्यू तिनसुकिया-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस शामिल हैं।

स्विमिंग पूल में...

के साथ दिखे हैं और सभी ने किसी तरह के गलत काम में शामिल न होने की बात कही। जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें सबसे ज्यादा चर्चा में बिल क्लिंटन की तस्वीरें हैं। एक तस्वीर में वह स्विमिंग पूल में हैं और उनके साथ जेफ्री एपस्टीन की करीबी गिस्लेन मैक्सवेल हैं। इसके अलावा एक और अज्ञात शख्स उनके साथ बैठा है।

एक अन्य फोटो में क्लिंटन को लेटे हुए दिखाया गया है। इस तस्वीर में भी एक अज्ञात व्यक्ति उनके साथ है, जिसकी पहचान को छिपाया गया है। न्याय मंत्रालय के मुताबिक, इस तस्वीर में दिख रहा व्यक्ति एपस्टीन से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले का पीड़ित है। क्लिंटन एक तीसरी तस्वीर में एक युवा लड़की के साथ तस्वीर खिंचा रहे हैं, जो कि उनकी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर बैठी है और उसके हाथ क्लिंटन के कंधे पर हैं।

इसी तरह की एक और तस्वीर में क्लिंटन को अपने पूर्व सलाहकार डग बैंड और अभिनेता केविन स्पेसी के साथ लंदन के चर्चिल वॉर रूम में दिखाया गया है। एपस्टीन के न्यूयॉर्क स्थित घर से ली गई एक तस्वीर में क्लिंटन की पेंटिंग भी लटकी दिखाई गई।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति से जुड़ी इन तस्वीरों में तारीख नहीं दी गई है। हालांकि, 1990 से 2000 के दशक के बीच उन्हें कई बार एपस्टीन के साथ देखा गया। बता दें कि एपस्टीन यौन अपराध केस में अब तक जितने पीड़ित सामने आए हैं, उनमें से किसी ने भी क्लिंटन पर गलत काम के आरोप नहीं लगाए हैं। 2019 में खुद बिल क्लिंटन ने कहा था कि वे एपस्टीन के किसी भी गंभीर अपराध के बारे में नहीं जानते थे। इन फाइल्स के सामने आने के बाद क्लिंटन के प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन उनका इस्तेमाल कर खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। बयान में कहा गया कि एक समूह था, जिसने एपस्टीन के अपराध की जानकारी सामने आने से पहले ही उससे संपर्क खत्म कर लिए थे। दूसरा समूह था जिसने अपराध की बात पता चलने के बाद उससे रिश्ते तोड़े। हम पहले समूह का हिस्सा हैं।

पंजाब नेशनल बैंक...

युवक आधा खुला एटीएम के शटर से अंदर आया एवं महिला कर्मियों पर स्प्रे छिड़ककर ट्रे में रखा नोटों का बंडल 57200 रुपए लेकर एटीएम के बाहर इंतजार कर रहे अपने साथी के मोटरसाइकिल में बैठकर फरार हो गया। घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि महिला कर्मियों को पहले कुछ समझ में नहीं आया एवं समझ में आने पर उन्होंने चिल्लाकर लुटेरों को पकड़ने की बात कही लेकिन तब तक लुटेरे मोटरसाइकिल में बैठकर फरार हो चुके थे। घटना के बाद महिला कर्मियों ने शाखा प्रबंधक अरविंद मिश्रा एवं अन्य कर्मचारियों को एटीएम में हुए लूट की जानकारी प्रदान करने पर सीसीटीवी फुटेज को कंगाल कर अकलतरा पुलिस थाने में घटना की सूचना दी गई। सूचना पर थाना प्रभारी भास्कर शर्मा मौके पर पहुंचे एवं सीसीटीवी फुटेज व अन्य जानकारी लेकर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले को विवेचना में लिया गया। **कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के चलते हुई घटना-** मिनीमाता चौक अकलतरा तरौद के पंजाब नेशनल बैंक के सामने स्थित एटीएम में आज सुबह हुई लूट की घटना स्पष्ट तौर पर कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के चलते घटित हुई है। एटीएम में रकम डालते समय नियमानुसार एटीएम का शटर पूर्ण रूप से बंद होना चाहिए लेकिन पंजाब नेशनल बैंक की महिला कर्मी एटीएम का शटर खोलकर रकम एटीएम में डाल रही थी। रकम डाले जाने के दौरान एटीएम के बाहर बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड उपस्थित होने का नियम है लेकिन पीएनबी एटीएम के सामने आज कोई सुरक्षा गार्ड उपस्थित नहीं था। सुरक्षा गार्ड नहीं होने की स्थिति में कम से कम एक दो बैंक कर्मियों को एटीएम के सामने रहना था लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ जिसके चलते लुटेरे आसानी से रकम लूटकर फरार हो गए। **बैंक प्रबंधन के द्वारा की गई लीपा पोती की कोशिश-** पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में हुई लूट की घटना के बाद बैंक प्रबंधन के द्वारा प्रारंभ में पूरे लूट कांड पर लीपा पोती करने की का प्रयास किया गया लेकिन सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर स्पष्ट रूप से नकाबपोश लूटेरे के द्वारा रकम लेकर भागने का दृश्य दिखने एवं मीडिया कर्मियों के द्वारा दबाव बनाए जाने पर मामले की सूचना पुलिस थाने में दी गई। मीडिया कर्मियों के द्वारा घटना के संबंध में पूछे जाने पर पंजाब नेशनल बैंक के जिला सिक्योरिटी प्रभारी अभिषेक तिवारी के द्वारा प्रारंभ में तो किसी भी प्रकार के लूट की घटना नहीं होने की बात कही गई। सीसीटीवी फुटेज में लूट की घटना स्पष्ट रूप से दिखाने पर ही मामले की सूचना पुलिस थाने में दी गई अन्यथा लूटी गई रकम 57200 रुपए को बैंक कर्मचारियों के द्वारा आपस में मिलाकर एटीएम में डालकर पूरे घटनाक्रम से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया जा रहा था।

आतंकवाद से मिलकर...

नीदरलैंड के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा बीते 17 से 19 दिसंबर तक हुई। जिसमें उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस.जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने नोएडा स्थित अपने देश की सेमीकंडक्टर कंपनी एनएक्सपी का दौरा भी किया। विदेश मंत्री के निमंत्रण पर नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने भारत की यह पहली आधिकारिक यात्रा की। जयशंकर ने कहा कि हम भारत- यूरोपीय संघ के मजबूत संबंधों और मुक्त व्यापार समझौते के समापन के लिए नीदरलैंड के समर्थन की सराहना करते हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital
Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुटमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- कार एवं छोटा हाथी चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर, वर्कशॉप सुपरवाइजर एवं घर की देखभाल हेतु चौकीदार की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मंगला चौक बिलासपुर 7583808008 (39462)

आवश्यकता है- बिजली दुकान में कार्य करने के लिऐ अनुभवी लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार संपर्क करे 9691702509 (39455)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में अनुभवी पर्ची पढ़ने में सक्षम कर्मचारी चाहिए वेतन योग्यता अनुसार (समय सुबह 11बजे से रात 10बजे) सम्पर्क करें- माँ भवानी मेडिकल स्टोर गुरुनानक चौक तोरवा बिलासपुर 9302628850 (39460)

आवश्यकता है- आवासीय सोसायटी में तीन सुरक्षा कर्मी चाहिए योग्यता 12वीं एवं MY Gate App चलाना आता हो केवल सुरक्षा एजेन्सी ही सम्पर्क करें- विजया रिजेन्सी ब्लॉक-बी, विजयापुरम सरकण्डा बिलासपुर 8103350341, 9977146747 (39450)

आवश्यकता है- बिजली दुकान+ ऑफिस में कार्य हेतु स्मार्ट महिला (मल्टी टैलेन्टेड जो बिलिंग+ कम्पनी कार्य संभाल सके) बिजली दुकान में कार्य हेतु जानकार एक लड़का चाहिए। वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- 9827950866 (39448)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु हाउस कीपिंग स्टॉफ एवं रेस्टोरेन्ट में कार्य हेतु कैप्टन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9977861508 (39456)

आवश्यकता है- घर की गाड़ी गाड़ी चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी प्राथमिकता। ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7987972716 (39428)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन साइट में ईमानदार चौकीदार की आवश्यकता है परिवार वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9303159900, 7000784237 (39454)

आवश्यकता है- आशियाना बिल्डर्स में आफिस असिस्टेन्ट एवं आफिस ब्वॉय की आवश्यकता है योग्यता 8वीं एवं 12वीं पास, कम्प्यूटर जानकार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- आशियाना तिफरा इंडस्ट्रीयल एरिया, बिलासपुर 9755786671, 8319435454 (39439)

आवश्यकता है- टेन्ट हाऊस में काम करने के लिए अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8001975775 (39429)

आवश्यकता है- सर्वमंगला टेन्ट हाउस में काम करने हेतु लड़कों एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कुम्हारपारा रोड राजीव गांधी चौक बिलासपुर, 6260273334, 9826601147 (39457)

आवश्यकता है- साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580 9827887934 (39458)

आवश्यकता है- ड्राईवर 10वीं पास (आफिस एवं घरेलू कार्य भी करे वेतन 10000) एवं महिला चपरासी (8वीं पास) चाहिए बायोडाटा फोटो व्हाट्सएप करें- भारत भारती विद्या मन्दिर कस्तूरबा नगर बिलासपुर 9300654801, 9755854925 (39453)

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेन्ट, सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, हेल्पर (समय 10 से 8) चाहिए। सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride नेचर सिटी गेट से 200मी. आगे, सकरी रोड, उसलापुर 9179294949 (39431)

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में काम करने हेतु अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- माँ काली मंदिर के सामने तेलीपारा रोड बिलासपुर 7566225588 (39443)

आवश्यकता है- मेडिकल स्टोर्स में काम करने के लिए अनुभवी/ अर्ध अनुभवी लड़का की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- महागौरी मेडिकल स्टोर्स मगरपारा बिलासपुर 9399540400, 9131162578 (39437)

आवश्यकता है- सेलून में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बीइंग स्टाइल द फैमिली सैलून तेलीपारा रोड, बिलासपुर 7898233623 (39438)

आवश्यकता है- बुक पब्लिशिंग, डिजिटल मार्केटिंग हेतु फोटोशॉप में अनुभवी ग्राफिक डिजाइनर और After Effects व Premiere Pro में कुशल वीडियो एडिटर एवं सेल्स मैनेजमेंट हेतु अंग्रेजी में संवाद करने में सक्षम महिला कर्मचारी चाहिए। अनुभवी रचनात्मक सोच और टीम वर्क की क्षमता रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- Astitva Prakashan, Near GGU, Koni, Bilaspur 7898160321, 810883496 (39433)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने एवं माल सप्लाई करने हेतु लड़को की आवश्यकता है वेतन 6000 रुपए से शुरु सम्पर्क करें- हुकुमचन्द जेठालाल मेघानी, मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9907423217 (39424)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के , आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000+कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री +गाड़ी किराया +कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क,7880003190 7880003160 (521)

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री। पता- बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 (39436)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में दो ग्राफिक डिजाइनर की आवश्यकता है जिसे कोरल ड्रा, फोटोशॉप एवं सोशल मीडिया ऑपरेट करना आता हो। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9131155033, 9827180896 (39444)

आवश्यकता है- व्यापार विहार बिलासपुर स्थित कैफे में कार्य करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार शीघ्र सम्पर्क करें- 8305879514 (39445)

आवश्यकता है- घर स्थित क्लीनिक में मरीजों को दवाई देना, समझाना, दवाइयों का रख रखाव, घर की साफ सफाई हेतु फीमेल स्टाफ की आवश्यकता है वेतन- 8000+ योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9098117717 (39426)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39435)

आवश्यकता है- कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग+ दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र का बंधन नहीं वेतन 6000 से 10000+ कमिशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने बिलासपुर 9827079947 (39430)

आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है- पेन्ट दुकान में बिजी एवं टैली कम्प्यूटर में काम करने हेतु फीमेल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बजाज पेन्ट पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 8871887871 (39422)

आवश्यकता है- Ambition मार्केटिंग में फिल्ड वर्क करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790, 7806007192 (39416)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 8889997826 (39295)

आवश्यकता है- पैथालाजी लैब एवं हॉस्पीटल से आर्डर लाने हेतु सेल्समैन एवं टेली कम्प्यूटर आपरेटर की। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी, व्यापार विहार रोड, गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने बिलासपुर (39425)

आवश्यकता है- छड़, सीमेन्ट दुकान में मार्केटिंग एवं सेल्स कार्य हेतु अनुभवी सेल्समैन एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- लवली ट्रेडर्स, महाराणा चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9329777750, 9301266997 (39421)

आवश्यकता है- सुबह 9 बजे से शाम 6:30 बजे तक घर में सभी घरेलू काम करने के लिए कामवाली बाई एवं खाना बनाने वाली की आवश्यकता है सम्पर्क करें-9685901101 (39418)

आवश्यकता है-NSN कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35वर्ष, सैलरी 10000 से 15000, रहना फ्री सम्पर्क करें-रायपुर 9993929100, भिलाई 9827622050 (411)

आवश्यकता है- मेट्रो स्टूडियो में फोटोग्राफी का कार्य करने के लिये लड़कों की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000/- तक सम्पर्क- मेट्रो स्टूडियो, प्रताप चौक राम सेतु पुल के पास बिलासपुर 75666 66725, 9893258605 (432)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु टेलिकॉलिंग महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सैलरी 5000 से 10000+ अतिरिक्त कमीशन सम्पर्क करें- गीतांजलि विहार लखन भोजनालय नेहरू नगर बिलासपुर 09685646863 (0301)

आवश्यकता है- पेंसिल पैकिंग शिक्षित बेरोजगार महिला पोस्ट घर बैठे काम करके 45000/-से 75000/- NOC फीस 620/- WhatsApp Contact Vipin Gupta. 9627368501 (1266)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी पास लड़कों की आवश्यकता है जो ग्वालियर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन +बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12000 से 20000 महीने सम्पर्क करें- 6269626054, 8982690021 (523)

बेचना है

बेचना है- (1) सेमी कमर्शियल मकान अग्रसेन चौक के पास, विनायक नेत्रालय के पीछे जेकब चाल (2) मेडिकल कॉम्प्लेक्स में 24×40 का प्लाट (3) मंगला धुरीपारा में सलेबल प्लाट 50 डिसमिल (4) बोदरी में पृथ्वी होटल के पास 40×100 का प्लाट (5) कोटा में अर्चिट फार्म हाउस में 27 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- जे.एन.के. ग्रुप प्रापर्टी एण्ड कंस्ट्रक्शन वृन्दावन परिसर फर्स्ट फ्लोर B-09 मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 6268171114, 8602877794 (39447)

बेचना है- बिलासपुर मोपका विवेकानन्द नगर में 1500 वर्गफुट में बना 2BHK नगर निगम से नक्शा पास हुआ मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9630110584 (39427)

बेचना है- (1) धीरा वर्ल्ड सकरी में TNC रेरा एप्रूव्ड प्लॉट (2) जोकी में 55 डिसमिल जमीन 170 फ्रंट सहित (3) तहसील तखतपुर ग्राम खम्हारिया में 95 डिसमिल जमीन सम्पर्क करें- 9713285855 (39452)

बेचना है- बिलासपुर गोड़पारा में निर्मित दो मंजिला मकान माया दुबे नर्सिंग होम के सामने जिसका भूस्वामी वैश्य (बैशवाड़े) कुर्मी समाज भाड़ी, है। क्षेत्रफल वर्गफीट में खसरा 169 रकबा 2478 वर्गफीट मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9826173751, 7089627465, 9399121049 (39446)

बेचना है- मुंगेली कलेक्ट्रेट ऑफिस से 400 मीटर एवं तहसील ऑफिस से 200 मीटर दूर बिलासपुर रोड करही में श्री श्री पेट्रोल पम्प के पास मेन रोड से लगी 40×155 वर्गफिट कुल 6200 वर्गफिट जमीन बेचना है सम्पर्क करें- ग्राम करही जिला मुंगेली 9755984364, 8962271270, 8770194876 (39419)

बेचना है- बिलासपुर हाईकोर्ट, रायपुर रोड से 2km दूरी छतौना मेन रोड के ऊपर गोल्डन पार्क TNC सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी 35×52 पूर्व मुखी 30ft. रोड गार्डन के सामने प्लॉट। सम्पर्क करें- 9993770950, 9827485990 (39423)

बेचना है- करबला रोड भाजपा कार्यालय के सामने राजेश होजयरी के पीछे कपड़ा मार्केट गली में उत्तर मुखी 1000 वर्गफीट प्लाट बेचना है (घर गोदाम, हॉस्टल हेतु उपयुक्त) सम्पर्क करें- 9301200300, 9575555811 (39451)

बेचना है- निपनिया रेल्वे स्टेशन से 3km दूर ग्राम गोढ़ी/ लमती में 1.30 एकड़ कृषि भूमि 7लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से बेचना है। सम्पर्क करें- पल्लव भवन बिलासपुर 8823807766 (39432)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

किराया

किराया- सल्फा, रायपुर रोड पर 7एकड़ तार से घिरी कृषि भूमि जिस पर धान, फल, सब्जी की खेती होती है, तालाब एवं दो पक्के मकान किराए से देना है। सम्पर्क- 7898918151 (39449)

किराया- एमडी डॉक्टर हेतु गुरुनानक चौक तोरवा में शानदार लोकेशन में सर्व सुविधा युक्त केबिन (बिना किराये का) उपलब्ध है सम्पर्क करें- माँ भवानी मेडिकल स्टोर गुरुनानक तोरवा बिलासपुर 9827126760, 9302628850 (39461)

किराया- शिवांगी हॉस्पिटल मेडिकल कॉम्पलेक्स तेलीपारा में थर्ड फ्लोर 6000 वर्गफीट, ग्राउण्ड फ्लोर 12×12 तीन दुकान, बैंक, कोचिंग, हॉस्टल, इंस्टीट्यूट, मेडिकल शॉप, ऑफिस हेतु लिफ्ट, जनरेटर, पार्किंग सुविधा, सम्पर्क करें- 7898917305 (39459)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा। सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
पंजाबी युवक बिलासपुर (छ.ग.) निवासी शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह हाइट 5 फुट 5 इंच, स्वयं का व्यवसाय संपन्न परिवार हेतु शिक्षित कन्या चाहिये। -:सम्पर्क करें:- 9039965807

वर चाहिए

वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 9752378176, 91091888890 (35441)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

टी-20 के राजा सूर्या से रूठी फॉर्म, निराशाजनक प्रदर्शन से शुभमन को खोनी पड़ी अपनी जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जब अपने टी20 करियर की शुरुआत की थी, तो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पूरी दुनिया में छा गए थे। साल 2025 सूर्यकुमार यादव के लिए बतौर कप्तान बेहद सफल रहा है, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने निराश किया है।

वहीं शुभमन गिल को भी खराब फॉर्म की वजह से टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह खोनी पड़ी है। सूर्या और गिल दोनों के लिए टी20 में साल 2025 बेहद निराशजनक रहा है। सूर्यकुमार यादव ने 14 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी20 करियर का आगाज किया था। टी20 फॉर्मेट में शुरुआत के साथ ही सूर्या ने तहलका मचा दिया था। लगातार दमदार प्रदर्शन की वजह से सूर्या 30 अक्टूबर 2022 को आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बन गए। वह टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे।

गिल और जितेश बाहर

चीफ सेलेक्टर अगरकर ने किया बड़ा खुलासा

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को बाहर करने की वजह का खुलासा करते हुए कहा कि गिल का हालिया फॉर्म और टीम कॉम्बिनेशन की मजबूरियां इस फैसले के पीछे की वजह रहीं। अजीत अगरकर ने कहा, 'हम जानते हैं कि वह कितने क्वालिटी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन शायद इस समय उनके पास कुछ रन कम हैं। पिछले वर्ल्ड कप में भी चूकना दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे। लेकिन यह फैसला किसी भी और चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की वजह से लिया गया है, जब आप 15 चुनते हैं तो किसी को चूकना पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय वह गिल हैं। दूसरी ओर, विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टीम में अपनी जगह बनाने से चूक गए। अगरकर ने इस बात पर जोर दिया कि वह टॉप ऑर्डर में एक ज्यादा विकेटकीपर रखना चाहते थे और इसके लिए उन्हें एक मेन बल्लेबाज का त्याग करना पड़ा। अगरकर ने कहा कि हम कॉम्बिनेशन पर गौर कर रहे हैं। जितेश ने बहुत ज्यादा गलत नहीं किया है। लेकिन वह लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं और टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के विकल्प के चलते उनकी जगह ईशान किशन को मौका दिया गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी: बंगाल टीम शामिल किए गए शमी

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। शमी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं लेकिन उन्होंने चोट से उबरने के बाद बंगाल की तरफ से घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वर्तमान सत्र में अभी तक सभी प्रारुप में 36 विकेट लिए हैं। भारतीय घरेलू सत्र की शुरुआत रणजी ट्रॉफी से हुई, जिसमें शमी ने चार मैच में 18.60 के औसत से 20 विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सात मैचों में 14.93 के औसत से 16 विकेट हासिल किए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना (निर्माण संगठन)

द्वितीय और तृतीय शुद्धि पत्र प्रकाशन तिथि 02-12-2025, 05-12-2025

निविदा-क्रमांक: सी.ए.ओ./सी./बीएसपी /25-26/11 दिनांक: 19-08-2025 (ओपन-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)

कार्य: ''छत्तीसगढ़ राज्य में ईपीसी मोड में दुर्ग-राजनांदगाँव (31.0 किलोमीटर) एवं सरोना-भिलाई (17.30 किलोमीटर) सेक्शनों के मध्य चतुर्थ लाइन के निर्माण से संबन्धित, प्रत्येक पहुँच मार्ग पर 300 मीटर तक फॉर्मेशन सहित 01 महत्वपूर्ण ब्रिज तथा 04 मेजर ब्रिज का निर्माण।

संशोधित आइटम :		
फ़ील्ड का नाम :	वर्तमान मूल्य	संशोधित मूल्य :
अमानत राशि (INR) :	रु. 6332400.00	रु. 5940900.00
कार्य का नाम : छत्तीसगढ़ राज्य में ईपीसी मोड में दुर्ग-राजनांदगाँव (31.0 किलोमीटर) एवं सरोना-भिलाई (17.30 किलोमीटर) सेक्शनों के मध्य चतुर्थ लाइन के निर्माण से संबन्धित, प्रत्येक पहुँच मार्ग पर 300 मीटर तक फॉर्मेशन सहित 01 महत्वपूर्ण ब्रिज तथा 04 मेजर ब्रिज का निर्माण		
छत्तीसगढ़ राज्य में ईपीसी मोड में दुर्ग-राजनांदगाँव (31.0 किलोमीटर) एवं सरोना-भिलाई (17.30 किलोमीटर) सेक्शनों के मध्य चतुर्थ लाइन के निर्माण से संबन्धित, प्रत्येक पहुँच मार्ग पर 300 मीटर तक फॉर्मेशन सहित 01 महत्वपूर्ण ब्रिज तथा 03 मेजर ब्रिज का निर्माण		
विज्ञापित मूल्य (INR) :	रु. 1266482782.94	रु. 1188184037.43
निविदा बंद होने की तारीख और समय :	17/12/2025, 15:00 बजे तक	24/12/2025, 15:00 बजे तक
बोली शुरू होने की तारीख :	03/12/2025	10/12/2025
पूर्णता की अवधि :	720 दिन	730 दिन

नोट : एनआईटी संख्या CAO-CBSP-25-26-11 दिनांक 19.08.2025 के अंतर्गत अपलोड किए गए निविदा दस्तावेज़ में संशोधन किया गया है। अब संशोधित RFP दस्तावेज़ और संशोधित मसौदा अनुबंध अपलोड किया जा रहा है। सभी संभावित एजेंसियों से अनुरोध है कि वे संशोधित दस्तावेज़ का अवलोकन करें और तदनुसार अपनी बोली लगाएँ।

सीपीआर/10/AM/545

उप मुख्य अभियंता/निर्माण द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

एशेज: इंग्लैंड पर हार का खतरा 435 के लक्ष्य का पीछा करते हुए 207 रन पर गंवाए 6 विकेट

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

इंग्लैंड की एशेज में बने रहने की बेताब कोशिश को शनिवार को उस समय करारा झटका लगा जब नाथन लियोन ने एक के बाद एक तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के करीब पहुंचा दिया।

इंग्लैंड की टीम जब 435 रन के रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए एशेज में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की कोशिश कर रही थी तब लियोन ने उप कप्तान हैरी ब्रूक (30) को बोल्ड, कप्तान बेन स्टोक्स (05) को बोल्ड और सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (85) को स्टंप आउट करके इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 207 रन बनाए हैं और वह अभी लक्ष्य से 228 रन पीछे है।

लियोन ने की शानदारी गेंदबाजी

पहली पारी में 371 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 349 रन बनाए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। क्रॉली और ब्रूक ने 68 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 109 रन से 177 रन तक पहुंचाया। ऐसे में लियोन ने गेंद संभाली और अपनी दूसरी ही गेंद पर सफलता हासिल की। उन्होंने इस बीच केवल आठ रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 194 रन हो गया। आउट होने वाले बल्लेबाजों में स्टोक्स भी शामिल थे। वह टर्न लेती हुई गेंद को समझने में नाकाम रहे, जो उनके ऑफ स्टंप से जा लगी।

इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत खराब

इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 31 रन था। लेकिन इसके बाद जो रूट (39) और क्रॉली ने तीसरे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने लंच से पहले अपनी दूसरी ही गेंद पर बेन डकेट (04) का विकेट लिया और फिर लंच के बाद ओली पोप (17) को भी पवेलियन भेज दिया, जिनका मार्नस लाबुशेन ने दूसरी स्लिप से बायीं तरफ डाइव लगाते हुए शानदार कैच पकड़ा। कमिंस ने चाय के विश्राम के तुरंत बाद रूट को पवेलियन की राह दिखाई। टेस्ट क्रिकेट में यह 13वीं बार था जब कमिंस ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को आउट किया। कमिंस ने अभी तक 24 रन देकर तीन जबकि लियोन ने 64 रन देकर तीन विकेट लिए हैं।

रिकॉर्ड 12वीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आज सुबह 10.30 बजे से

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय टीम रविवार को आईसीसी अकादमी में होने वाले अंडर-19 एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए रिकॉर्ड 12वां खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी।

आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ग्रुप ए के सभी मैच जीतकर पाकिस्तान से आगे शीर्ष पर रही। पाकिस्तान को ग्रुप चरण में एकमात्र हार भारत के खिलाफ मिली थी, जिसमें उसे पिछले रविवार को 90 रन से हार मिली। भारत ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में भी यही लय बरकरार रखी और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने गत चैंपियन बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फा इ न ल तक भारत का सफर हरफनमौला प्रदर्शन पर आधारित रहा है, जिसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर एक मजबूत इकाई बनाई।

बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार

बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा है और टीम ने दो बार 400 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। इस 50 ओवर के टूर्नामेंट में युवा प्रतिभाओं का उदय हुआ है, जिसमें 17 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शामिल हैं। युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ पहले मैच में 95 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को छह विकेट पर 433 रन के स्कोर तक पहुंचाया तो कुंडू ने मलेशिया के खिलाफ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 125 गेंद में नाबाद 209 रन बनाए और युवा वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय बन गए। यह जोड़ी पाकिस्तान के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ एक और अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी। जब भी भारत का शीर्ष क्रम लड़खड़ाया है, मध्यक्रम में ऐसे मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

गोवा सिर्फ नाइटलाइफ नहीं, आध्यात्मिकता का भी खजाना, यहां मौजूद हैं चार प्रसिद्ध मंदिर

गोवा। गोवा का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के मन में बीच, पार्टी और रंगीन नाइटलाइफ की तस्वीर उभरती है लेकिन गोवा सिर्फ आधुनिक जीवनशैली का प्रतीक नहीं है, बल्कि अपनी समृद्ध विरासत, प्राचीन मंदिरों और आध्यात्मिक शांति के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां कई ऐतिहासिक और कलात्मक मंदिर हैं, जहां पहुंचकर मन को अद्भुत शांति और सकारात्मकता का अनुभव होता है। यदि आप गोवा की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो घूमने के साथ-साथ इन प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन अवश्य करें।

भगवान शिव को समर्पित मंगेशी मंदिर

गोवा का सबसे लोकप्रिय और भव्य मंदिर मंगेशी मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। करीब 400 साल पुराना यह मंदिर सफेद रंग की पारंपरिक गोअन वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। यहां सालभर भक्तों की भीड़ लगी रहती है। शांत वातावरण, विशाल आंगन और प्राचीन दीपस्तंभ इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं।

लाल-सफेद पत्थरों से बना शांतादुर्गा मंदिर

पहाड़ियों के बीच बसे इस खूबसूरत मंदिर को देवी शांतादुर्गा को समर्पित किया गया है, जो भगवान शिव और विष्णु के बीच हुए विवाद में मध्यस्थ बनी थीं। लाल और सफेद पत्थरों से निर्मित यह मंदिर गोवा की पारंपरिक स्थापत्य शैली का अनोखा रूप प्रस्तुत करता है। यहां के शांत बगीचे, खुले परिसर और दिव्य वातावरण कपल्स और परिवारों के लिए बेहद सुकूनदायक अनुभव प्रदान करते हैं।

महालसा नारायणी मंदिर

यह मंदिर अपनी विशाल कांस्य की घंटे के लिए पहचाना जाता है, जिसकी मधुर ध्वनि दूर तक सुनाई देती है। मोलेम क्षेत्र के पास स्थित यह मंदिर देवी महालसा नारायणी (मोहिनी अवतार) को समर्पित है। नक्काशीदार स्तंभ, पारंपरिक गोअन सजावट और उत्सवों के दौरान होने वाली भव्य सजावट इस मंदिर को और विशेष बनाती है।

प्रमुख शक्तिपीठ श्री कामाक्षी मंदिर

गोवा के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल श्री कामाक्षी मंदिर देवी कामाक्षी की आराधना का प्रमुख केंद्र है। कोंकणी और गोअन शैली की मिश्रित वास्तुकला से बना यह मंदिर आध्यात्मिकता और सौंदर्य का अनोखा संगम है। यहां की शांति, विशाल प्रांगण और गरिमामयी मूर्ति भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कराती है।

दुनिया की ऐसी 7 जगह जो दिखती तो सुंदर हैं, लेकिन वहां जाना मौत से मिलने जैसा

दुनिया में खूबसूरत जगहों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कुछ जगहें जितनी आकर्षक होती हैं, उतनी ही खतरनाक भी साबित हो सकती हैं। ये डेस्टिनेशन अपने असाधारण प्राकृतिक हालात और अनछुए माहौल से एडवेंचर पसंद करने वालों को अपनी ओर खींचते हैं, लेकिन इन्हें देखने के लिए बहुत हिम्मत, तैयारी और रिस्क लेने का जुनून चाहिए। हालांकि, इनमें से कुछ जगहें इतनी खतरनाक हैं कि वहां जाने के लिए आपको खास परमिट की ज़रूरत होती है, और कुछ तो इंसानों के लिए बैन भी हैं।

जहरीले सांपों का घर स्नेक आइलैंड, ब्राज़ील

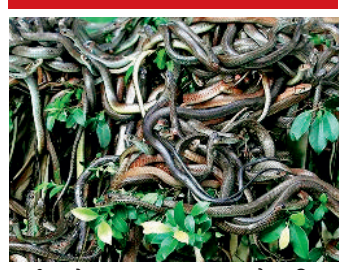

ब्राज़ील के तट पर बसा यह आइलैंड दुनिया के सबसे ज़हरीले सांपों का घर है। यहां दुर्लभ और बहुत खतरनाक प्रजाति, गोल्डन लांसहेड वाइपर, पाई जाती है, और इनकी संख्या इतनी ज़्यादा है कि हर कदम पर सांप मिलने की संभावना है। सुरक्षा कारणों से, इस जगह पर टूरिस्ट की एंट्री पूरी तरह से मना है।

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड, इंडिया

अंडमान आइलैंड का हिस्सा, यह आइलैंड सेंटिनलीज़ ट्राइब के लिए जाना जाता है, जो वहां बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग-थलग रहते हैं। वे बाहरी लोगों को पास आने नहीं देते और गुस्से में रिएक्ट करते हैं। वहां जाना न सिर्फ गैर-कानूनी है बल्कि जानलेवा भी हो सकता है।

डानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया

धरती की सबसे गर्म जगहों में से एक माना जाने वाला डानाकिल डिप्रेशन ज्वालामुखी एक्टिविटी, एसिडिक झीलों और ज़हरीली गैसों के लिए जाना जाता है। दिन में टेम्परेचर 50 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो सकता है। इसके रंगीन लेकिन खतरनाक सल्फर पूल इसे खूबसूरत और डरावना दोनों बनाते हैं।

डेथ वैली सबसे सूखी जगह, यूएसए

कैलिफ़ोर्निया और नेवाडा के बीच मौजूद, डेथ वैली दुनिया की सबसे गर्म और सबसे सूखी जगह है। यहां टेम्परेचर अक्सर 54 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो जाता है। पानी और छांव की कमी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा होता है। इसलिए, बिना तैयारी के जाना जानलेवा हो सकता है।

बिकिनी एटोल, मार्शल आइलैंड्स

यह शांत दिखने वाला आइलैंड कभी न्यूक्लियर टेस्टिंग सेंटर था। मिट्टी, पानी और समुद्री जीवों में रेडिएशन की मौजूदगी जानलेवा है। इसके अलावा, आस-पास के पानी में बड़ी संख्या में शार्क रहती हैं, जो इंसानों के लिए खतरनाक हैं।

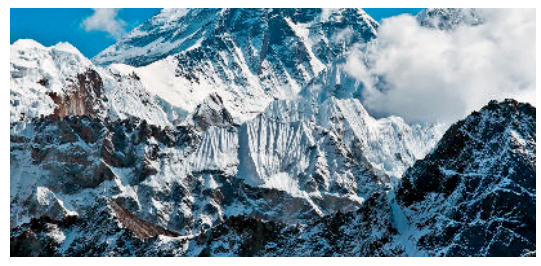

माउंट एवरेस्ट, नेपाल

दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना हर माउंटेन क्लाइंबर का सपना होता है, लेकिन यह बहुत खतरनाक जगह भी है। ऑक्सीजन की कमी, एवलांच, बहुत ज़्यादा ठंड और ट्रैफिक जाम जैसी दिक्कतें इसे जानलेवा बना देती हैं।

लेक नेट्रॉन, तंजानिया

यह नमकीन झील अपने एल्कलाइन पानी और लाल रंग के लिए मशहूर है। ऐसा ज्वालामुखी की एक्टिविटी की वजह से होता है, और पानी को छूने से जलन हो सकती है और मौत भी हो सकती है।

ईसा मसीह की सदियों से गायब दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

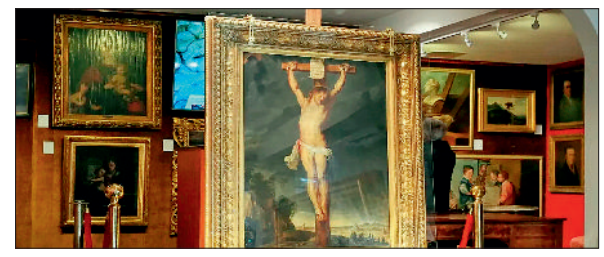

वर्सलीज (फ्रांस)। बारोक शैली के दिग्गज कलाकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक दुर्लभ और लंबे समय तक गुम रही पेंटिंग आखिरकार फिर से दुनिया के सामने आ गई है। यह अनमोल कलाकृति रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में करीब 27 लाख अमेरिकी डॉलर में खरीदी गई। यह वही पेंटिंग है जिसे हाल ही में पेरिस स्थित एक निजी हवेली से खोजा गया था। चार सौ वर्षों से भी ज्यादा पुरानी इस कला कृति में ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने के अंतिम क्षणों का चित्रण है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ओसेना बताते हैं "पहली ही नजर में हमें शक हुआ कि यह साधारण खोज नहीं है। गहन जांच और शोध के बाद 'रुबेनियानम' समिति ने इसे रूबेन्स की असली रचना के रूप में प्रमाणित किया।"

क्यों अनोखी है यह पेंटिंग?

विशेषज्ञों के अनुसार, रूबेन्स ने अपने करियर में क्रूसीफिक्शन के कई दृश्य रचे, लेकिन ईसा के देहांत के क्षणों को इतनी मार्मिकता और दुर्लभ तत्वों के साथ उन्होंने लगभग कभी नहीं उतारा।

हर देश की अपनी नूडल्स स्टोरी! हर देश में अलग ढंग से बनती है नूडल्स की डिशेज

नई दिल्ली। नूडल्स एक ऐसा फूड है जिसे लगभग हर किसी ने कभी न कभी जरूर खाया है। चाहे जल्दी में कुछ खाना हो या सिर्फ स्वाद की इच्छा हो, इंस्टेंट नूडल्स हर किसी की पसंद बन चुके हैं। यही वजह है कि नूडल्स आज दुनियाभर में सबसे ज़्यादा खाए जाने वाले फूड्स में से एक हैं। नूडल्स से अलग-अलग देशों में तरह-तरह की स्वादिष्ट डिशेज बनती हैं। आपको बता दें कि वर्ल्ड नूडल्स डे हर साल 6 अक्टूबर को मनाया जाता है। आइए जानते हैं दुनिया की सबसे मशहूर नूडल रेसिपीज के बारे में।

रामन – जापान

रामन एक जापानी नूडल सूप है जिसे खासतौर पर गाढ़े ब्रोथ, उबले अंडे, पोर्क, हरी प्याज और पतले नूडल्स के साथ तैयार किया जाता है। इसका स्वाद बेहद सुकून देने वाला होता है और इसे अब दुनियाभर में खाया जा रहा है।

फो – वियतनाम

फो एक राइस नूडल सूप है जिसे चिकन या बीफ और हर्ब्स के साथ परोसा जाता है। इसके ब्रोथ को घंटों तक पकाया जाता है, जिससे इसका स्वाद और खुशबू अनोखी हो जाती है।

पैड थाई – थाईलैंड

यह थाईलैंड का फेमस स्ट्रीट फूड है, जिसमें चावल के नूडल्स, अंडे, टोफू या श्रिंप, मूंगफली और बीन स्प्राउट्स मिलाए जाते हैं। इसका स्वाद हल्का, मीठा, खट्टा और तीखा होता है।

चाऊमीन – चीन

चीन की यह स्टर फ्राइड नूडल डिश भारत में भी बेहद लोकप्रिय है। सब्जियों, चिकन, झींगा और खास सॉस के साथ झटपट तैयार होने वाली इस डिश को दुनिया में अलग-अलग तरीके से बनाया जाता है।

समंदर में डूबा 2000 साल पुराना रहस्य प्रकट हुआ तो चौंक गए वैज्ञानिक, 115 फीट लंबा मनोरंजन का अड्डा मिला

अलेक्जेंड्रिया। कई बार परातत्व वैज्ञानिकों को खोज करते-करते कुछ ऐसा मिल जाता है, जिसकी उन्हें उम्मीद नहीं होती है। जब ऐसी चीजें खुद ब खुद सामने आ जाती हैं, तो इतिहासकार भी चौंक जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ, जब मिस्र के अलेक्जेंड्रिया शहर के प्राचीन बंदरगाह में पुरातत्वविदों को एक बड़ी और अनोखी खोज मिली है। यूरोपीय अंडरवॉटर आर्कियोलॉजी संस्थान की टीम ने समुद्र के भीतर खुदाई के दौरान करीब 2000 साल पुराना रहस्य ढूंढ निकाला। **115 फीट लंबी शाही मनोरंजन नौका :** ये कुछ और नहीं बल्कि पुरानी और शाही मनोरंजन नौका है। यह नाव अलेक्जेंड्रिया के बंदरगाह पोर्टस मैग्नस के अंदर स्थित एंटीरोडोस द्वीप के पास मिली। पुरातत्वविदों को इसके लगभग 90 फीट लंबे लकड़ी के हिस्से सुरक्षित मिले हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि इतनी पुरानी होने के बावजूद यह नाव बेहद अच्छी हालत में मिली है। पुरातत्वविदों को इसके लगभग 90 फीट लंबे लकड़ी के हिस्से सुरक्षित मिले हैं, जिससे अंदाजा लगाया गया है कि पूरी नाव करीब 115 फीट लंबी और 23 फीट चौड़ी रही होगी। **रहस्यमयी नाव में छिपे हैं कई राज-** विशेषज्ञों का मानना है कि यह नाव एक थालामागोस थी, यानि ऐसी आलीशान नाव जिसका इस्तेमाल रोमन काल में अमीर लोग सैर-सपाटे, दावतों या धार्मिक और शाही जुलूसों के लिए करते थे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com